मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 194
बुधवार, 28 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भारत-ईयू एफटीए पर मुहरः व्यापार, निवेश-वैश्विक साझेदारी की नई राह

नई दिल्ली, 27 जनवरी। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच करीब 18 वर्षों से चल रही बातचीत के बाद आखिरकार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर सहमति बन गई है। मंगलवार को 16वें भारत ईयू शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों पक्षों ने इस ऐतिहासिक समझौते का औपचारिक ऐलान किया। इस ट्रेड डील को वर्ष 2027 से लागू किए जाने की संभावना है। समझौते के लागू होते ही भारत में यूरोप से आयात होने वाले कई उत्पाद सस्ते हो सकते हैं। खास तौर पर यूरोपीय लग्जरी कारों पर लगने वाला आयात शुल्क 110 प्रतिशत से घटाकर लगभग 10 प्रतिशत किए जाने की बात कही जा रही है। इससे बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज जैसी कारों की कीमतों में बड़ी गिरावट आ सकती है। इसके अलावा यूरोप से आने वाली शराब और वाइन पर भी टैक्स में भारी कटौती की तैयारी है। फिलहाल इन उत्पादों पर करीब 150 प्रतिशत टैरिफ लगता है, जिसे घटाकर 20 से 30 प्रतिशत के दायरे में लाया जा सकता है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत को यूरोपीय यूनियन के बाजार में मूल्य के आधार पर अपने 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात के लिए रियायती शुल्क पर पहुंच मिलेगी। उन्होंने बताया कि इससे देश के श्रम प्रधान उद्योगों को खास तौर पर फायदा होगा और घरेलू उत्पादन को मजबूती मिलेगी। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर वार्ताएं पूरी हो

चुकी हैं।दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को औपचारिक रूप से बातचीत के समापन का ऐलान किया, जिससे इस समझौते के लागू होने का रास्ता साफ हो गया है।

गोयल ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा, यह समझौता इस बात को दर्शाता है कि जब वैश्विक व्यापार के विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग तथा वित्तीय बाजारों के गहरे एकीकरण के नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा कि यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का यह दौरा भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच रणनीतिक रिश्तों के लिहाज से एक गेम-चेंजर और परिवर्तनकारी साबित होगा। यह समझौता केवल एक मुक्त व्यापार करार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उससे कहीं व्यापक और गहरे मायने रखता है।

उनके अनुसार, एफटीए के जरिए खुलने वाले व्यापारिक अवसरों से भी आगे बढ़कर यह भारत और यूरोपीय संघ के बीच मजबूत होती रणनीतिक साझेदारी और साझा सोच को दर्शाता है।

करीब 25 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले देश और क्षेत्र अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का फैसला करते हैं, तो उसके दूरगामी असर दिखाई देते हैं। मुक्त व्यापार समझौते के साथ साथ इस साझेदारी से रक्षा सहयोग, निवेश में बढ़ोतरी, नवाचार और

तेज रफ्तार कार पीछे से ट्रक में घुसी, महाकाल के दर्शन कर लौट रहे 4 श्रद्धालुओं की मौके पर मौत

दौसा, 27 जनवरी। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के तेज रफ्तार एक कार ने एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी जिससे चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह हादसा पापड़ता इलाके में हुआ। उसने बताया कि टक्कर लगने के बाद कार ट्रक के नीचे फंस गई और कुछ किलोमीटर तक उसके साथ घिसटती चली गई। पुलिस उपाधीक्षक दीपक मीणा ने बताया कि कार में पांच तीर्थयात्री सवार थे और वे मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में पूजा करने के बाद नोएडा लौट रहे थे।

मीणा ने कहा, हरियाणा नंबर वाली कार लालसोट से दिल्ली की ओर जा रही थी तभी वह ट्रक से टकरा गई। कार तेज रफ्तार के कारण ट्रक के पिछले हिस्से के नीचे

फंस गई और कुछ किलोमीटर तक घिसटती चली गई।

पुलिस ने बताया कि कार में सवार राहुल गुप्ता (35), पारस अग्रवाल (35), प्रिंस गुप्ता (23) और विक्रम सिंह (30) की मौके पर ही मौत हो गई और पिछली सीट पर बैठे बृजमोहन गुप्ता को मामूली चोटें आईं तथा उसे दौसा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखा गया है।

बंथिया आयोग की रिपोर्ट रद्द होगी? सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 27 जनवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र सरकार से बंथिया आयोग की रिपोर्ट की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर जवाब मांगा और स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्ग को राजनीतिक आरक्षण प्रदान करने में विफल रहने के आधार पर इसे रद्द करने की मांग की। यूथ फॉर इक्वालिटी फाउंडेशन द्वारा दायर याचिका में महाराष्ट्र सरकार को राज्य के सभी स्थानीय निकायों में राजनीतिक पिछड़ेपन पर एक अनुभवजन्य अध्ययन करने और भारत के संविधान के अनुच्छेद 243डी (6) और 243टी (6) (पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों/महिलाओं के लिए आरक्षण अनिवार्य करने वाले प्रावधान) के तहत राजनीतिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान करने के

लिए एक नया समर्पित आयोग गठित करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि महाराष्ट्र सरकार ने राजनीतिक पिछड़ेपन की अनिवार्य अनुभवजन्य जांच किए बिना और के. कृष्ण मूर्ति बनाम भारत संघ मामले में इस न्यायालय द्वारा निर्धारित त्रिगुण परीक्षण को पूरा किए बिना ये आरक्षण प्रदान किए हैं। के. कृष्ण मूर्ति मामले में संविधान पीठ ने माना था कि अनुच्छेद 243-डी और 243-टी के तहत स्थानीय निकायों में आरक्षण शिक्षा और रोजगार में आरक्षण से संवैधानिक रूप से भिन्न हैं, क्योंकि राजनीतिक पिछड़ापन सामाजिक या आर्थिक पिछड़ेपन से अलग है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऐसे आरक्षण संवैधानिक रूप से वैध हैं, न्यायालय ने एक अनिवार्य 'ट्रिपल टेस्ट' निर्धारित किया है, जिसके अनुसार राज्य को राजनीतिक पिछड़ेपन की गहन अनुभवजन्य जांच करने के लिए एक समर्पित आयोग नियुक्त करना होगा, वास्तविक अल्प-प्रतिनिधित्व के आधार पर प्रत्येक स्थानीय निकाय के लिए आरक्षण की सीमा निर्धारित करनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि कुल आरक्षण सीटों के 50 प्रतिशत से अधिक न हो।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर की आड़ में एनआरसी करा रही बीजेपीः अखिलेश यादव

लखनऊ, 27 जनवरी। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को दावा किया कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई), सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की आड़ में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) अभियान चला रहा है और साथ ही आम जनता को परेशान कर रहा है। उन्होंने आगे दावा किया कि ईसीआई यह एसआईआर अभियान केवल पश्चिम बंगाल के लिए चला रहा है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 के पहले छमाही में होने की उम्मीद है। यहाँ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वह मतदान में वृद्धि सुनिश्चित करे, लेकिन पहली बार ऐसा देखा जा रहा है कि चुनाव आयोग और भाजपा, एसआईआर की आड़ में, एनआरसी चला रहे हैं और आम जनता को परेशान कर रहे हैं, और उनका उद्देश्य अधिक वोटों की कटौती करना है। जबकि उनकी जिम्मेदारी मतदाताओं की मदद करना है।

उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पूरे देश में अगर कोई भाजपा को टक्कर दे रहा है, तो वह ममता बनर्जी ही हैं। यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि पश्चिम बंगाल की जनता भाजपा को हराएगी और ममता बनर्जी फिर से मुख्यमंत्री बनेंगी। ह्लअगर कोई भाजपा को टक्कर दे रहा है, तो वो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं। भाजपा द्वारा लाया गया एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) केवल पश्चिम बंगाल के लिए है, हालांकि इसे बिहार में भी लागू किया गया था।

सपा प्रमुख ने कहा कि जब भी चुनाव होते हैं, चुनाव आयोग अधिक से अधिक लोगों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु अभियान चलाता है, लेकिन एसआईआर के नाम पर ठीक उल्टा हो रहा है। बंगाल में एसआईआर के नाम पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को परेशान किया जा रहा है। देश में अतीत में एसआईआर के नाम पर किसी को परेशान नहीं किया गया। मुझे विश्वास है कि वह फिर से मुख्यमंत्री बनेंगी। बंगाल की जनता भाजपा को हराएगी।

जबरन वसूली मामले में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के माता-पिता गिरफ्तार

पंजाब। विदेश में रहने वाले गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के माता-पिता को 2024 के जबरन वसूली मामले में पंजाब के मुक्तसर जिले से सोमवार को गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुक्तसर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु राणा ने बताया कि बराड़ के पिता शमशेर सिंह और माता प्रीतपाल कौर को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि मुक्तसर के आदेश नगर में उनका एक घर है। यह परिवार मूल रूप से फरीदकोट जिले का निवासी है। मुक्तसर के एक निवासी की शिकायत पर 2024 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गोल्डी बराड़ 2022 में पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मुख्य आरोपियों में से एक है। बराड़ ने मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

लुधियाना में सनसनीखेज वारदात, प्राइवेट पार्ट काटकर सड़क पर फेंका युवक

लुधियाना। लुधियाना में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। तीन दिन से लापता एक युवक को कुछ अज्ञात लोगों ने बेरहमी से घायल कर उसका निजी अंग काट दिया और उसे लावारिस हालत में सड़क पर फेंक दिया। राहगीरों ने युवक को गंभीर अवस्था में देखकर सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया।

युवक के लापता होने के बाद से उसका परिवार लगातार उसकी तलाश कर रहा था। मंगलवार को सिविल अस्पताल से फोन आने पर परिवार को युवक के बारे में जानकारी मिली। अस्पताल पहुंचने पर परिजनों ने युवक की हालत देखकर थाना डिवीजन नंबर-3 की पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

गोरखपुर से सीएम योगी ने विपक्ष पर साधा निशाना

गोरखपुर, 27 जनवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार देर शाम गोरखपुर पहुंचे और गोरखनाथ मंदिर में रात्रिवास के बाद मंगलवार सुबह जनता दर्शन के दौरान नागरिकों से बातचीत की। उन्होंने धैर्यपूर्वक सबकी शिकायतें सुनीं, आवेदनों की सावधानीपूर्वक समीक्षा की और लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि चिंता न करें, हर समस्या का समाधान किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक शिकायत को संवेदनशीलता से लें और उसका त्वरित, पारदर्शी और उच्च गुणवत्ता वाला समाधान सुनिश्चित करें।

गोरखपुर में रेल उपरिगामी सेतु एवं 4 लेन मार्ग पर फ्लाईओवर के लोकार्पण कार्यक्रम में योगी ने कहा कि इस फ्लाईओवर के निर्माण के

बाद आपको अब ट्रैफिक जाम में नहीं फंसना पड़ेगा। यह एक नया उपहार है जो आपकी यात्राओं को सुगम और सरल बनाएगा–इसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं। हम सभी को 2017 से डबल इंजन सरकार के सफर को याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश कैसा था? डर था, आतंक था, अशांति थी, अराजकता थी, बीमारी थी, दंगे थे। न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी।

योगी ने विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि ये कौन लोग थे जो जाति की राजनीति खेल रहे थे? उन्होंने जाति के नाम पर अपने ही परिवारों की बात की; उन्होंने राज्य के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया। ये वही लोग थे जिन्होंने राज्य की जनता के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। आज मैं कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब समस्याएँ नहीं, समाधान हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश को दंगा मुक्त करने का कार्य किया, तो 'उनके' जितने भी 'हमदर्द' थे, वे सब परेशान हो उठे, क्योंकि उन सबकी आजीविका पर इसका बुरा असर पड़ा है।

मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में जनता दर्शन का आयोजन किया गया, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगभग 200 लोगों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कुर्सियों पर बैठे उपस्थित लोगों से संपर्क किया और प्रत्येक से उनके निवास स्थान और उनकी समस्या के बारे में पूछा। सभी की चिंताओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए, उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि चिंता का कोई कारण नहीं है और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। आवेदन संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए, उन्होंने उन्हें समयबद्ध, संतोषजनक और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। भूमि अतिक्रमण से संबंधित मामलों में, मुख्यमंत्री ने सख्त कानूनी कार्रवाई का आदेश दिया।

भरोसे एवं भारत की आवाज थे विरल पत्रकार मार्क टुली

-ललित गर्ग

भारत की समकालीन इतिहास-यात्रा में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल घटनाओं का वृत्तांत नहीं लिखते, बल्कि समय की चेतना में घुल-मिलकर स्वयं इतिहास का हिस्सा बन जाते हैं। सर विलियम मार्क टुली, जिन्हें दुनिया भर में स्नेह और सम्मान से मार्क टुली कहा गया, ऐसे ही विरल पत्रकार थे। उनका निधन केवल एक वरिष्ठ पत्रकार का जाना नहीं है, बल्कि उस पत्रकारिता-दृष्टि का अवसान है, जिसमें सत्य सनसनी से ऊपर और संवेदना आंकड़ों से अधिक महत्त्वपूर्ण होती थी। बीबीसी रेडियो की वह गूंजती हुई पंक्ति-दिस इज मार्क टुली रिपोर्टिंग फ्रॉम दिल्ली, दशकों तक भारतीय उपमहाद्वीप में भरोसे, प्रामाणिकता और संतुलन का पर्याय बनी रही। मार्क टुली एक विदेशी पत्रकार भर नहीं थे, वे भारत की आत्मा के स्थायी प्रवासी थे, जिनमें भारतीयता रची-बसी थी। उनका भारत से रिश्ता किसी वीजा, नियुक्ति या करियर-रणनीति का परिणाम नहीं था, बल्कि वह रक्त और मिट्टी का संबंध था। 24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता के टॉलीगंज में जन्मे टुली ने ब्रिटिश राज के अंतिम दौर का भारत देखा, जिया और महसूस किया। एक समृद्ध ब्रिटिश परिवार में जन्म लेने के बावजूद दार्जिलिंग के बोर्डिंग स्कूलों और भारतीय

जनजीवन की विविध छवियों ने उनके भीतर एक ऐसी आत्मीयता एवं संस्कार बो दिया, जो जीवन भर पुष्पित-पल्लवित होती रही। नौ वर्ष की आयु में जब वे इंग्लैंड गए, तब भी भारत उनके भीतर जीवित रहा-स्मृतियों में, संवेदनाओं में और दृष्टि में।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में धर्मशास्त्र का अध्ययन करते समय उन्होंने पादरी बनने का विचार किया था। यह तथ्य अपने-आप में बहुत कुछ कहता है, क्योंकि सत्य की खोज, नैतिक विवेक और मानवीय करुणा उनके व्यक्तित्व की मूल धुरी थीं। किंतु नियति ने उन्हें चर्च की सीमित दीवारों से बाहर निकालकर एक ऐसे मंच पर खड़ा कर दिया, जहां वे पूरी मानवता से संवाद कर सकते थे। पत्रकारिता उनके लिए पेशा नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व थी। जब वे बीबीसी के संवाददाता के रूप में भारत लौटे, तो उन्होंने इसे एक असाइनमेंट नहीं बल्कि अपने घर लौटने जैसा अनुभव किया। मार्क टुली की पत्रकारिता की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे भारत को पश्चिमी चश्मे से नहीं देखते थे। वे सत्ता के गलियारों से अधिक गांव की चौपाल, मंदिर-मस्जिद के आंगन, खेतों की मेड़ और आम आदमी की चिंता को महत्त्व देते थे। आपातकाल हो या इंदिरा गांधी की राजनीति, सिख विरोधी दंगे हों या बाबरी मस्जिद विध्वंस, पंजाब का उग्रवाद हो या कश्मीर की पीड़ा-मार्क टुली ने हर विषय को संतुलन, गहराई और मानवीय संवेदना के साथ दुनिया के सामने रखा। वे घटनाओं के पीछे छिपी सामाजिक और सांस्कृतिक परतों को समझने की कोशिश करते थे, इसीलिए उनकी रिपोर्टिंग तत्कालीन शोर-शराबे से ऊपर उठकर स्थायी संदर्भ बन गई।

आज के आपाधापी और टीआरपी-केंद्रित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दौर में, जहाँ खबर से ज्यादा शोर और तथ्य से ज्यादा त्वरित प्रतिक्रिया को महत्व दिया जाता है, मार्क टली की पत्रकारिता एक उजली कसौटी बनकर सामने आती है। टीवी स्टूडियो की तीखी बहसों, चीखती हेडलाइनों और सतही विश्लेषण के उलट, मार्क टली ने यह सिद्ध किया कि शांत, संयमित और तथ्यपरक संवाद भी उतना ही प्रभावशाली होता है बल्कि अधिक विश्वसनीय होता है। उनकी पत्रकारिता दिल्ली के सत्ता-केंद्र तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह भारत की आत्मा-गाँव, कस्बे, आम जन और उनकी पीड़ा से जुड़ी हुई थी। आज जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अक्सर सत्ता, बाजार और सनसनी के दबाव में अपनी विश्वसनीयता खोता दिख रहा है, तब मार्क टली की शैली यह सिखाती है कि पत्रकारिता का असली धर्म प्रश्न पूछना, सच को धैर्य से समझना और उसे बिना शोर के, पूरे संदर्भ के साथ प्रस्तुत करना है। उनका जीवन आज के टीवी मीडिया के लिए एक मौन लेकिन सशक्त संदेश है कि भरोसे की आवाज ऊँची नहीं, सच्ची होती है।

मार्क टुली की सबसे बड़ी देन यह थी कि उन्होंने भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया। वे मानते थे कि भारत किसी एक विचार, एक भाषा या एक संस्कृति से नहीं बनता, बल्कि यहां की बहुलता ही इसकी आत्मा है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई-ग्रामीण-शहरी, गरीब-अमीर, इन सबके बीच बहता हुआ संवाद ही भारत की असली पहचान है। जब दुनिया के कई हिस्से भारत को केवल गरीबी, अव्यवस्था या अराजकता के चश्मे से देखते थे, तब मार्क टुली ने भारत की सहिष्णुता, आध्यात्मिकता और जीवटता को रेखांकित किया। उन्होंने यह दिखाया कि यह देश विरोधाभासों के बावजूद नहीं, बल्कि उन्हीं के साथ जीना जानता है। मार्क टुली की आवाज रेडियो के माध्यम से करोड़ों लोगों के घरों तक पहुंचती थी। वह दौर ऐसा था, जब समाचार सुनने के लिए लोग घड़ी देखकर रेडियो ऑन करते थे। उनकी रिपोर्टिंग में नाटकीयता नहीं, बल्कि सजीवता-ठहराव था। वे कहते थे कि भारत को समझने के लिए अपनी घड़ी उतारकर रखनी पड़ती है। यह कथन केवल समय-संस्कृति की बात नहीं करता, बल्कि उस धैर्य और विनम्रता की ओर संकेत करता है, जिसके बिना भारत जैसे देश को समझा नहीं जा सकता। यही धैर्य उनकी पत्रकारिता में झलकता था।

एक विदेशी होकर भी उन्होंने भारतीयता पर गर्व करना सिखाया, वह भी उस समय, जब हम स्वयं अपनी जड़ों को लेकर संशय में थे। उनकी पुस्तकों और कार्यक्रमों में भारत केवल खबर नहीं, बल्कि एक जीवंत सभ्यता के रूप में उपस्थित रहता है। ह्यनो फुल स्टॉप्स इन इंडियाह्न जैसी कृतियां भारत की निरंतर चलती कहानी को सामने लाती हैं, जहां कोई अंतिम विराम नहीं, केवल प्रवाह है। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की अव्यवस्थाओं की आलोचना भी की, लेकिन वह आलोचना स्नेह और चिंता से भरी होती थी, उपेक्षा या उपहास से नहीं। ब्रिटिश सरकार द्वारा नाइटहुड और भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना उनके योगदान की औपचारिक स्वीकृति है, लेकिन उनकी असली विरासत वह विश्वास है, जो भारतीय जनता ने उन पर किया। लोग उनकी बात इसलिए मानते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि यह व्यक्ति भारत को समझता है, उसे चाहता है और उसके साथ ईमानदार है। आज के दौर में, जब पत्रकारिता तेजी से बदल रही है, प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड में, नई तकनीक के दबाव में हांफ रही है, तब मार्क टुली की कमी और अधिक महसूस होती है। उनका जाना उस युग का अंत है, जहां शब्दों की गरिमा थी और तथ्य पवित्र माने जाते थे। वे हमें यह सिखाकर गए कि पत्रकारिता सूचना का व्यापार नहीं, बल्कि मानवता की सेवा है। भारत की मिट्टी में जन्मा, विदेशी धरती पर शिक्षित और अंततः भारत की ही गोद में समा जाने वाला यह व्यक्तित्व सदैव स्मृतियों में जीवित रहेगा। वे ऐसे विदेशी साक्षी थे, जिन्होंने भारत को केवल दुनिया की नजरों में ही नहीं, बल्कि भारतीयों की अपनी नजरों में भी नई गरिमा दी। मार्क टुली का जीवन इस बात का प्रमाण है कि सीमाएं नागरिकता तय कर सकती हैं, संवेदनाएं नहीं। उनकी आवाज भले ही अब रेडियो पर न गूंजे, लेकिन भारत की आत्मा में उनकी प्रतिध्वनि लंबे समय तक सुनाई देती रहेगी।

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का स्वैच्छिक योगदान

-प्रियंका सौरभ

भारत के ग्रामीण समाज में महिला सशक्तिकरण, पोषण और स्वास्थ्य काफी हद तक आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं पर निर्भर करता है। ये वे महिलाएं हैं जो घर-घर जाकर टीकाकरण करती हैं, बच्चों में कुपोषण का पता लगाती हैं, गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव में सहायता करती हैं और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कोविड-19 जैसी महामारी में इन्हें अग्रिम पंक्ति के सैनिकों की तरह इस्तेमाल किया गया था, लेकिन आजकल ये महिलाएं सड़कों पर हैं, उनका गंतव्य पश्चिम बंगाल का सियालदह रेलवे स्टेशन या कर्नाटक का फाउंटेन चौक है। उनकी स्थिति भी बेहतर नहीं हैः क्या राष्ट्र के स्वास्थ्य की देखभाल करने वाली इन महिलाओं को श्रमिक का दर्जा नहीं दिया जाएगा? आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं की जरूरतें असाधारण नहीं हैं; उन्हें न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, तृतीय श्रेणी कर्मचारी का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त है। फिर भी, सरकारें उन्हें औपचारिक श्रम अधिकारों से वंचित रखती हैं और उन्हें स्वयंसेवक या परियोजना कार्यकर्ता कहती हैं। दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 तक हुई देशव्यापी हड़तालें इस दीर्घकालिक उपेक्षा की सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एक उदाहरण हैं।

सन 1975 में आईसीडीएस और सन 2005 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आंगनवाड़ी योजना और आशा योजना शुरू की गई। इसका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं की भागीदारी से ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण प्रणालियों को सशक्त बनाना था। शुरूआत में, सरकारी खर्च को सीमित करने के लिए स्वैच्छिक प्रणाली अपनाई गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये महिलाएं पूर्णकालिक कामगारों के रूप में कार्यरत हैं। आशा कार्यकर्ता को 1,000 लोगों की देखभाल करनी होती है, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ 40 बच्चों की देखभाल, पोषण वितरण और रिकॉर्ड रखने का काम करती हैं। 2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वैधानिक पदों पर न होने के कारण वे सरकारी कर्मचारी हैं, लेकिन इस फैसले को नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि, 2022 के एक फैसले में आंगनवाड़ी कार्यकताओं को 2013 के आईसीडीएस अधिनियम के अनुसार ग्रेच्युटी का अधिकार दिया गया। बाद में, 2024 में गुजरात उच्च न्यायालय ने समानता के सिद्धांत के आधार पर उन्हें राज्य कर्मचारी के रूप में स्वीकार किया, जबकि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पदोन्नति के मुद्दे पर विचार करने का निर्देश दिया। इसके बावजूद, केंद्र और राज्य की नीतियां असंगत और अनियमित हैं।

मानदेय का प्रचलन शर्मनाक है। आशा कार्यकताओं को 3,500 से 6,000 के बीच न्यूनतम मानदेय मिलता है, और वह भी प्रोत्साहन राशि पर आधारित है। कर्नाटक में 6,000 का मानदेय निर्धारित है, लेकिन इसका भुगतान आठ-नौ महीने देरी से होता है। आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को औसतन 15,000 मिलते हैं। कोई अवकाश नहीं, कोई परिवहन भत्ता नहीं, उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण नहीं। मातृत्व अवकाश भी बहुत कम हैं, और कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है।

चूंकि यह शब्द स्वयंसेवकों पर लागू होता है, इसलिए वे न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 और चार नए श्रम कानूनों के दायरे से बाहर हैं। 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन में न्यूनतम मजदूरी के लिए 26,000 की सिफारिश अभी तक लागू नहीं की गई है। ईपीएफ और ईएसआई जैसी कोई सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है। सेवानिवृत्ति पेंशन में 1,200 की वृद्धि की मांग वर्षों से बनी हुई है, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ई-श्रम कार्ड कोई पात्रता प्रदान नहीं करता, बल्कि केवल डेटा एकत्र करता है।

विडंबना यह है कि देश में कुपोषण और शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिलाएं स्वयं ही असुरक्षित हैं। एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 35 प्रतिशत बच्चे बौनेपन के शिकार हैं और शिशु मृत्यु दर प्रति हजार 28 है। आशा कार्यकताओं और आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने इन आंकड़ों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोविड-19 के दौरान 500 से अधिक कर्मचारी शहीद हो गए और मुआवजे की घोषणा भी की गई, लेकिन भुगतान में भारी देरी हुई। मानसिक तनाव, कार्यभार और हरियाणा जैसे राज्यों में 20 प्रति शत रिक्त पदों के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है।

यह एक राजनीतिक स्तर की समस्या है जिसे स्वीकार किया गया है। 16 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में सोनिया गांधी ने इस मुद्दे को उठाया था। बजट 2026 में कुछ संकेत दिए गए थे, लेकिन कोई निश्चित और बाध्यकारी निर्णय नहीं लिया गया। यूनियनों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे और अधिक आंदोलन करेंगे।

समाधान ढांचागत होने चाहिए, न कि आधे-अधूरे उपाय। श्रम कानूनों के माध्यम से योजना के तहत कामगारों को कर्मचारी का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसके लिए न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये, पेंशन 10,000 रुपये और ईपीएफ अनिवार्य होना चाहिए। केंद्र सरकार को कम से कम 50 प्रतिशत मानदेय का भुगतान करना चाहिए और राज्यों को सभी रिक्त पदों को तुरंत भरना चाहिए। अतिरिक्त समय, मातृत्व अवकाश, स्थायी कार्यस्थल, ऑनलाइन प्रशिक्षण और श्रमिक संघों की मान्यता प्रदान की जानी चाहिए। पंचायती राज के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताएँ कार्यक्रमों में केवल नाममात्र की हस्तियाँ नहीं हैं; बल्कि लाखों परिवारों की वास्तविक आशा हैं। स्वयंसेवक होने और काम करने के बीच का यह अंतर एक स्पष्ट अन्याय है। गणतंत्र के 77वें वर्ष में, जब भारत वैश्विक नेता होने का दावा करता है, इन महिलाओं के सम्मान का मुद्दा नीतिगत प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिकता का संवैधानिक प्रश्न है। ये प्रदर्शन एक संदेश हैं; न्याय में देरी क्रांति है। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किसी भी योजना का पूरक नहीं हैं, बल्कि भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्हें स्वयंसेवी कहकर उनके श्रम अधिकारों से वंचित करना सामाजिक न्याय और संवैधानिक समानता का अपमान है। महामारियों, कुपोषण और मातृ मृत्यु दर से देश को बचाने के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ी होने वाली महिलाएं वर्तमान स्थिति में स्वयं असुरक्षित हैं। ये प्रदर्शन इस बात का संकेत हैं कि समय कम होता जा रहा है। यदि गणतंत्र को मजबूत करना है तो इन महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और अधिकार मिलने चाहिए। न्याय में देरी संभव है, लेकिन उससे बचा नहीं जा सकता। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किसी भी योजना में योगदान नहीं दे रही हैं, लेकिन वे भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र की रीढ़ हैं। उन्हें स्वयंसेवक कहकर श्रम अधिकार देने से इनकार करना सामाजिक न्याय और संवैधानिक समानता का अपमान है। जिन महिलाओं ने महामारियों, कुपोषण और मातृ मृत्यु दर से देश को बचाने के लिए काम किया, वे आज खुद असुरक्षित हैं। ये प्रदर्शन इस बात का संकेत हैं कि समय बीत रहा है। यदि गणतंत्र को मजबूत करना है तो इन महिलाओं को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान मिलना आवश्यक है। न्याय में देरी हो सकती है, लेकिन उससे बचा नहीं जा सकता।

सनातन,संत, सत्ता और संग्राम

-तनवीर जाफरी

गत दिनों मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज में उस समय के एक अजीब स्थिति पैदा हो गयी जबकि माघ मेला में मेला प्रशासन व पुलिस द्वारा शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोका गया ? मेला प्रशासन के अनुसार सुरक्षा कारणों से उनके वाहन (पालकी) को रोका गया और स्नान हेतु पैदल जाने को कहा गया। परन्तु शंकराचार्य जी ने इस प्रशासनिक निर्देश को प्रोटोकॉल का उल्लंघन मानते हुए अस्वीकार कर दिया। घटना के सम्बन्ध में प्राप्त ब्यौरे के अनुसार स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद मौनी अमावस्या के दिन अपनी पालकी पर सवार होकर अपने सैकड़ों भक्तों व अनुयायियों के साथ संगम नोज की तरफ बढ़ रहे थे। उसी समय मेला प्राधिकरण की ओर से तैनात पुलिस ने भारी भीड़ बताकर उनकी पालकी को रोक दिया और शंकराचार्य जी से -सीमित अनुयायियों के साथ पैदल स्नान स्थल तक पहुँचने व स्नान करने का अनुरोध किया। परन्तु शंकराचार्य ने पूरे सम्मान और प्रोटोकॉल की मांग की, जो अस्वीकार होने पर उन्होंने स्नान नहीं किया और अनशन पर बैठ गए। इस संबंध में मेला व पुलिस प्रशासन का पक्ष है कि शंकराचार्य को स्नान से नहीं, बल्कि वाहन से स्नान लिये जाने से रोका गया था और सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन के लिए यह जरूरी भी था।

परन्तु शंकराचार्य जी व उनके शिष्यों द्वारा जो आरोप लगाये गये हैं वे बेहद गंभीर हैं। कहा जा रहा है कि पुलिस द्वारा शंकराचार्य जी महाराज के शिष्यों की चोटी (शिखा) को पकड़कर घसीटा गया,उन्हें बुरी तरह पीटा गया व अपमानित किया गया। इस घटना को केवल एक कृत्य या हिंसा नहीं, बल्कि इसे सुनियोजित सांस्कृतिक अपमान बताया जा रहा है। क्योंकि यह सब उस समय हुआ जब शंकराचार्य, साधु,संत, शिष्य और श्रद्धालु किसी विरोध या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और ईश्वर आराधना के लिए संगम घाट पर आए थे। लिहाजा क्या वजह है कि सनातन धर्म व संतों की रक्षा व इसके मान सम्मान की दुहाई देने वाली भाजपा सरकार के शासन काल में शंकराचार्य स्तर के सम्मानित संतों व उनके गुरुकुल के शिष्यों का धर्म क्षेत्र प्रयागराज में इस तरह अपमान किया गया ?

इस घटना के फौरन बाद जिस तरह 19 जनवरी को प्रशासन ने एक नोटिस चिपका कर 24 घंटे में शंकराचार्य जी से यह बताने को कहा गया कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य कैसे हैं ? गोया शंकराचार्य को स्नान से रोके जाने की बात यहां तक जा पहुंची कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य हैं या नहीं ? शंकराचार्य कैसे बनते हैं और कौन बना सकता है ? क्या सरकार तय करेगी कि कौन शंकराचार्य है और कौन नहीं ? यानी भीड़ को बहाना बनाकर शंकराचार्य की पालकी को रोकना उनके अनुयायियों से मारपीट करना व उन्हें अपमानित करना फिर उसके बाद उनकी शंकराचार्य की पदवी को ही चुनौती देने का अर्थ है कि उन्हें किसी पूर्वाग्रह के चलते ही रोका गया। साथ ही जिसतरह कई संत सरकार की भाषा बोलते व सरकार का पक्ष लेते दिखाई दिये उससे भी साफ हो गया कि उन्हें रोकना व अपमानित करना न केवल सत्ता के अहंकार का एक उदाहरण है बल्कि इसके पीछे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विरुद्ध सत्ता का पूर्वाग्रह भी नजर आता है। हालाँकि देश का अधिकांश संत समाज अविमुक्तेश्वरानंद जी व उनके शिष्यों व अनुयायियों के साथ हुये दुर्व्यवहार व अपमान से आहत नजर आया। इस घटना के बाद जिस तरह देश के कोने कोने से शंकराचार्य के अनुयायी व अनेक संत संगम तट पर इकठ्ठा होने शुरू किया इससे भी सरकार की काफी फजीहत हुई है।

यदि आप शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विगत कुछ वर्षों की सक्रियता व उनकी कारगुजारियों पर नजर डालें तो हम यह देखेंगे कि वे बे हिचक और बिना लाग लपेट के और बिना सत्ता की परवाह किये अपनी बात कहने वाले संत हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनवरी 2024 में अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का विरोध करते हुये कहा था कि उस समय चूँकि मंदिर का शिखर, कलश और ध्वज स्थापित नहीं थे लिहाजा अधूरे मंदिर में प्रतिष्ठा करने से मूर्ति में ₹आसुरी शक्ति₹ प्रवेश कर सकती है, जो शास्त्रों के विरुद्ध है। इसी तरह उन्होंने नवंबर 2025 में भी ध्वजारोहण पर यह कहते हुये सवाल उठाए थे कि शास्त्रों में ध्वजारोहण का उल्लेख नहीं है, बल्कि शिखर प्रतिष्ठा होती है, जो अभी बाकी थी। उन्होंने इस आयोजन को मनमाना और शास्त्र-विरोधी भी बताया था तथा शंकराचार्यों को न बुलाने पर भी नाराजगी जताई थी । शंकराचार्य ने प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ के लिये भी योगी आदित्यनाथ सरकार की कड़ी आलोचना की थी। उस वक़्त उन्होंने कहा था कि सरकारी प्रबंधों के दावों की पोल खुल गई है और राज्य सरकार को खुद ही हट जाना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा था कि 'महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का दावा करने वाली सरकार को व्यापक तैयारी करनी चाहिए थी, लेकिन भगदड़ ने सरकार की नाकामी उजागर कर दी। इसी तरह शंकराचार्य जी ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास कार्यों के नाम पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने गोविंदेश्वर महादेव मंदिर को तोड़े जाने पर धरना दिया था और प्रशासन पर शिवलिंग गायब करने का आरोप लगाया था । स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी ने इसे हिंदू धार्मिक परंपराओं के खिलाफ बताया था और कहा था कि विकास के नाम पर मंदिर नष्ट नहीं किए जाने चाहिए। उन्होंने स्कंद पुराण में उल्लिखित मंदिरों का हवाला देते हुए विरोध प्रदर्शन किया और धर्म संसद भी बुलाई थी। इसी तरह स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने केदारनाथ मंदिर से 228 किलोग्राम सोने के गायब होने की मीडिया में प्रसारित खबरों पर प्रतिक्रिया करते हुये इसे 'सोना घोटाला' करार दिया था। उन्होंने दिल्ली में केदारनाथ मंदिर के निर्माण पर भी सवाल उठाते हुये कहा था कि हिमालय में स्थित मंदिर को दिल्ली में नहीं बनाया जा सकता। गोहत्या के विरुद्ध हमेशा मुखर व आंदोलित रहने वाले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौ हत्या मामले में पूर्व मंत्री मुख़्तार अब्बास नकवी और केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू की तुलना करते हुए भाजपा के घोर आंतरिक विरोधाभास पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि 'नकवी ने गोमांस खाने वालों को पाकिस्तान जाने की सलाह दी थी तो ऐसे व्यक्ति को मंत्री पद से हटा दिया गया जबकि किरण रिजिजू ने गोमांस खाने वालों का समर्थन करते हुए कहा था कि वे खुद भी बीफ खाते हैं और कोई उन्हें रोक नहीं सकता। ऐसा व्यक्ति (किरण रिजिजू) प्रधानमंत्री के पीछे बैठा दिखाई देता है। हिंदू भावनाओं के साथ खिलवाड़ व भाजपा की दोहरी नीति का उदाहरण बताते हुए उन्होंने गौ रक्षा के प्रति पार्टी की गंभीरता पर सवाल उठाए थे । ऐसे और भी कई उदाहरण हैं जिनसे यह पता चलता है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का अनेक धार्मिक मुद्दों पर मुखरित होकर बोलना उस सत्ता को रास नहीं आता जो अपने विरुद्ध की जाने वाली किसी भी आलोचना या टीका टिप्पणी को सहन नहीं कर पाती। शायद यही वजह है कि सनातन की रक्षा का दवा करने वाली सत्ता और सनातन के वास्तविक ध्वजवाहक संतों के मध्य कभी कभी संग्राम जैसी स्थिति पैदा हो जाती है।

भारत का 77 वां गणतंत्र बनाम स्त्री विमर्श

महिलाओं को सहभागिता तथा अस्मिता की तलाश

भारत के 77वें गणतंत्र में प्रवेश करते हुए जब हम लोकतांत्रिक व्यवस्था की पड़ताल करते हैं तो यह स्थिति हमारे सामने खड़ी होती है कि क्या स्वतंत्रता की यह यात्रा स्त्रियों को भी उसी गरिमा, समानता और अधिकार तक पहुँचा पाई है जिसका वादा संविधान ने जोर शोर से किया था। वास्तविकता यह है कि आज भी स्त्री भारतीय लोकतंत्र में केवल संख्या नहीं बल्कि स्वीकृति, सहभागिता और निर्णायक उपस्थिति की तलाश में संघर्षरत है।

स्वतंत्रता आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली स्त्री आज भी सत्ता, नीति और सामाजिक निर्णयों के केंद्र से दूर रखी जाती है। संसद से पंचायत तक प्रतिनिधित्व की बात हो या शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रम और सुरक्षा के सवाल, हर जगह स्त्री की भागीदारी सीमित और संघर्षपूर्ण दिखाई देती है। लोकतंत्र ने उसे मताधिकार तो दिया पर मानसिक स्वतंत्रता अभी अधूरी है, अभी पुरुषों के निर्देशन में ही में ही कार्य संपादित करना पड़ता है। कानूनी अधिकार तो प्रदत्त किए हैं पर सामाजिक चेतना का विस्तार नहीं हुआ है, बेटी बचाओ से लेकर बेटी पढ़ाओ तक के नारे गूंजे लेकिन बेटी को निर्णयकर्ता बनाने का साहस समाज अभी तक नहीं जुटा पाया है।, स्त्री आज भी दोहरी जिम्मेदारियों के बोझ निर्वहन कर रही है। जहाँ एक ओर उससे आधुनिक होने की अपेक्षा की जाती है तो दूसरी ओर परंपराओं की जंजीरों में जकड़कर उसकी उड़ान के पंख काट दिए गए है।

कार्यस्थलों पर समान वेतन की लड़ाई हो या घर के भीतर अदृश्य श्रम की अनदेखी, स्त्री का श्रम आज भी कम आँका जाता है, डिजिटल युग में प्रवेश के बावजूद तकनीक और संसाधनों तक उसकी पहुँच सीमित है जिससे नया लोकतांत्रिक स्पेस भी पुरुष प्रधान होता जा रहा है।

राजनीति में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रश्न दशकों से प्रतीक्षा में है जो यह दशार्ता है कि लोकतंत्र स्त्री को भागीदार नहीं बल्कि प्रतीक भर मानता रहा है, हिंसा के आँकड़े बताते हैं कि स्त्री का शरीर आज भी सत्ता, वर्चस्व और असहिष्णुता का मैदान बना हुआ है और न्याय की प्रक्रिया उसके लिए लंबी, जटिल और कई बार अपमानजनक हो जाती है। यह विडंबना ही है कि जिस लोकतंत्र की बुनियाद समानता पर टिकी है उसी लोकतंत्र में स्त्री को अपनी अस्मिता सिद्ध करनी पड़ती है, नए संदर्भों में देखें तो स्त्री केवल पीड़िता नहीं बल्कि परिवर्तन की वाहक भी है, स्वयं सहायता समूहों से लेकर स्टार्टअप संस्कृति तक, आंदोलन से लेकर साहित्य और मीडिया तक, स्त्री अपनी नई भाषा गढ़ रही है जो अधिकार के साथ आत्मसम्मान की भी मांग करती है। आज की स्त्री दया नहीं अवसर चाहती है, संरक्षण नहीं साझेदारी चाहती है और प्रतिनिधित्व नहीं बल्कि निर्णय में हिस्सेदारी चाहती है, 77वें गणतंत्र का गर्व तभी सार्थक होगा जब लोकतंत्र केवल पुरुष अनुभव का विस्तार न रहकर स्त्री दृष्टि से भी पुनर्परिभाषित होगा, जब नीति निर्माण में स्त्री का जीवन अनुभव शामिल होगा, जब घर, समाज और सत्ता तीनों स्तरों पर बराबरी की संस्कृति विकसित होगी, क्योंकि स्त्री की स्वतंत्रता किसी एक वर्ग का प्रश्न नहीं बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता की कसौटी है और जब तक स्त्री अपनी उपस्थिति नहीं बल्कि अपना स्थान सुनिश्चित नहीं कर लेती तब तक भारतीय लोकतंत्र अधूरा, असंतुलित और आत्मगौरव से वंचित ही रहेगा।

इसी संघर्षपूर्ण लोकतंत्र में कुछ स्त्रियाँ ऐसी भी हैं जिन्होंने तमाम बाधाओं, उपेक्षाओं और सामाजिक दीवारों को तोड़कर अपनी पहचान गढ़ी और व्यवस्था को आईना दिखाया, द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति पद तक पहुँचना आदिवासी स्त्री की उस यात्रा का प्रतीक है जो सदियों से हाशिये पर रही है। उनके राष्ट्रपति बना आदिवासी गौरव का बड़ा प्रतीक है। कल्पना चावला ने अंतरिक्ष में भारत की स्त्री चेतना को नई ऊँचाई दी, मैरी कॉम ने यह साबित किया कि सीमित संसाधनों और सामाजिक बंधनों के बावजूद एक स्त्री विश्व मंच पर भारत का गौरव बन सकती है। इरोम शर्मिला ने अहिंसक संघर्ष के माध्यम से लोकतंत्र को उसकी संवेदनशीलता याद दिलाई, फातिमा शेख और सावित्रीबाई फुले की विरासत को आगे बढ़ाती आज की शिक्षिकाएँ आज भी शिक्षा को स्त्री मुक्ति का हथियार बना रही हैं। अरुणिमा सिन्हा ने शारीरिक अक्षमता को पराजित कर यह सिद्ध किया कि स्त्री की शक्ति सहानुभूति की मोहताज नहीं होती। मिताली राज और पीवी सिंधु ने खेल के मैदान में पुरुष वर्चस्व को चुनौती दी, किरण बेदी ने प्रशासन में स्त्री नेतृत्व की कठोर लेकिन संवेदनशील छवि प्रस्तुत की, अंजू बॉबी जॉर्ज से लेकर बछेंद्री पाल तक पहाड़ और मैदान दोनों जगह स्त्री ने अपने साहस की छाप छोड़ी, ये नाम केवल व्यक्तिगत सफलताएँ नहीं हैं बल्कि उस लोकतंत्र की खामियों के बीच उग आए प्रतिरोध के दीप हैं जो यह बताते हैं कि स्त्री अवसर मिले तो नीति, नेतृत्व और नवाचार में किसी से पीछे नहीं है, फिर भी यह विडंबना बनी हुई है कि इन उदाहरणों को अपवाद मान लिया जाता है और स्त्री की सामूहिक स्थिति जस की तस बनी रहती है, 77वें गणतंत्र का वास्तविक गर्व तब होगा जब इन संघर्षरत स्त्रियों की कहानियाँ प्रेरणा भर नहीं बल्कि नीति और सामाजिक व्यवहार का आधार बनेंगी, जब लोकतंत्र स्त्री को प्रतीक नहीं बल्कि सहभागी मानेगा, क्योंकि इन स्त्रियों का संघर्ष यह स्पष्ट करता है कि स्त्री की सफलता दया से नहीं बल्कि अधिकार, अवसर और आत्मसम्मान से जन्म लेती है। जब तक यह समझ व्यापक नहीं होती तब तक भारतीय लोकतंत्र में आधी आबादी के अपने हक तथा सहभागिता की अपेक्षा में इंतजार कर रही होगी।

निखरा उत्तर प्रदेश का चेहरा, बंधा विकास का सिर पे सेहरा

निखरा उत्तर प्रदेश का चेहरा का अर्थ है कि उत्तर प्रदेश का चेहरा निखर गया है, यानी राज्य में सकारात्मक परिवर्तन आया है। बंधा विकास का सिर पे सेहरा का अर्थ है कि विकास का ताज उत्तर प्रदेश के सिर पर सज गया है। यह वाक्य उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए एक प्रेरणा है कि वे अपने राज्य के विकास के लिए काम करें और इसे एक नये स्तर पर ले जायें। उत्तर प्रदेश, जो कभी अपराध और भ्रष्टाचार के लिए जाना जाता था, वह आज विकास और प्रगति की नई कहानी लिख रहा है । राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल में कई बड़े कदम उठायें हैं, जिससे राज्य का चेहरा बदल गया है। लाकरिकः उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाये गये हैं। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाई की जा रही है, और पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा रहा है।

-विक्रम दयाल

इन्फ्रास्ट्रक्चर, उत्तर प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर, विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सड़कें, पुल, और हवाई अड्डे,बनाये जा रहें हैं, जिससे राज्य के लोगों को आवागमन में आसानी हो रही है। शिक्षा, उत्तर प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में भी कई कदम उठाये गये हैं। नये स्कूल और कालेज खोले जा रहें हैं, और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया जा रहा है। स्वास्थ्य, उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूत बनाया जा रहा है। नये अस्पताल और मेडिकल कालेज खोले जा रहे हैं, और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश का चेहरा बदल गया है, और विकास का ताज उसके सिर पर सज गया है। राज्य सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश आज विकास और प्रगति की नई कहानी लिख रहा है। उत्तर प्रदेश में राम मंदिर निर्माण से राज्य में नई क्रांति ला रहा है। यह मंदिर न केवल हिंदू समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश कि सांस्कृतिक और आर्थिक विकास का भी प्रतीक बन रहा है। राम मंदिर के निर्माण से अयोध्या में पर्यटन और रोजगार की क्रांति आ गई है। यह मंदिर दुनियाँ भर के भक्तों को आकर्षित कर रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है। इसके अलावा, मंदिर के निर्माण से अयोध्या का अध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व बढ़ गया है। काशी विश्वनाथ कैरीडोर का निर्माण भी अध्यात्मिक महत्व को बढ़ा रहा है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक और अध्यात्मिक स्वरूप में बदलाव आ गया है। राज्य सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, और औद्योगिक विकास में कई ऐतिहासिक कदम उठायें हैं। इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लाजिस्टिक्स क्लस्टर्स की स्थापना से औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिला है। फार्मा हब बनाने की दिशा में भी कदम उठाये जा रहे हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में 40 नये मेडिकल कालेज और दो नये एम्स कि स्थापना से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में कई बदलाव हुए हैं, जैसे कि नए विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थानों की स्थापना हुई है।

जिस पार्टी के पास ज्यादा संख्या उसी का महापौर : गोपाल लांडगे

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना (शिंदे) के कल्याण जिला प्रमुख गोपाल लांडगे ने महापौर पद को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी के पास ज्यादा संख्या है उसी का महापौर होगा। आगामी मलंग यात्रा को लेकर आयोजित पत्रकार परिषद में वह बोल रहे थे। कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका के महापौर पद की चयन प्रक्रिया 3 फरवरी को होगी। महापौर पद का आरक्षण अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए घोषित होने के बाद शिवसेना (शिंदे) के दो नगरसेवक हषालीं थविल और किरण भांगले महापौर पद के दावेदार माने जा रहे हैं। इस बीच शिवसेना (शिंदे) के कल्याण जिला प्रमुख गोपाल लांडगे ने महापौर पद को लेकर कहा कि जिस पार्टी के पास नगरसेवकों की संख्या ज्यादा होगी उसी पार्टी का महापौर होगा। लांडगे ने यह भी कहा कि जहां-जहां शिंदे गुट के पास बहुमत है वहां शिंदे गुट का ही महापौर विराजमान होगा। इस पत्रकार परिषद में शिवसेना के विधायक राजेश मोरे, कल्याण-मुरबाड जिला प्रमुख अरविंद मोरे, शहर प्रमुख रवि पाटील, दिनेश देशमुख, जितेन पाटील, रमाकांत देवलेकर, हर्षवर्धन पालांडे, पराग तेली, देवानंद भोईर, चैनु जाधव, छाया वाघमारे आदि उपस्थित थे।

वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष शेट्टी को भिवंडी मनपा गटनेता पद पर नियुक्ति होने पर उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका चुनाव में 22 नगरसेवकों को विजयी बनाकर दूसरे नंबर की पार्टी के रूप में उभरी भाजपा ने अपने गटनेता पद पर वरिष्ठ नगरसेवक संतोष शेट्टी की नियुक्ति की है जिससे उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। बतादें कि इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। भिवंडी पालिका चुनाव में भाजपा से निर्वाचित वरिष्ठ नगरसेवकों में संतोष शेट्टी, प्रकाश टावरे, निलेश चौधरी, नारायण चौधरी, यशवंत टावरे, सुमित पाटील एवं वैभव भोईर ने पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में गुटनेता पद के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत की थी। इसके बाद स्थानीय पार्टी संगठन की ओर से प्रभारी विधायक महेश चौघुले और शहर अध्यक्ष रवी सावंत ने गटनेता चयन का निर्णय प्रदेश नेतृत्व पर छोड़ा था। संतोष शेट्टी लगातार छठी बार पालिका चुनाव जीत चुके हैं और भाजपा के अध्यक्ष पद पर दो कार्यकाल (कुल आठ वर्ष) तक कार्य कर चुके हैं। उनके व्यापक अनुभव को देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने उनके नाम को मंजूरी दी। इस आशय का पत्र शहर अध्यक्ष रवी सावंत को भेजकर गुटनेता पद पर संतोष शेट्टी के नाम की पुष्टि की गई। इस नियुक्ति के बाद भाजपा में एक बार फिर संतोष शेट्टी के नेतृत्व को समर्थन मिलने की बात कही जा रही है। नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए संतोष शेट्टी ने कहा कि वे राज्य सरकार से नगर विकास के लिए अधिक से अधिक निधि लाकर शहर के विकास को प्राथमिकता देंगे और पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व के विश्वास पर खरा उतरते हुए भिवंडी में भाजपा को नंबर वन बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

पालकमंत्री गणेश नाईक ने पूर्व सैनिकों की मांगे मानकर तुड़वाया आमरण अनशन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पूर्व सैनिकों के गृह कर माफ किये जाने की मांग को लेकर बीते चार दिनों से पालघर जिलाधिकारी कार्यालय के सामने चल रहा आमरण अनशन जिले के पालक मंत्री गणेश नाईक के हस्तक्षेप के बाद गणतंत्र दिवस के मौके पर सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। इस अनशन का नेतृत्व केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी कर रहे थे। महाराष्ट्र प्रदेश के वनमंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक ने अनशन स्थल पर पहुंचकर केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी, वेटरन्स भारत के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व सैनिक डॉ. पुंडलिक भाऊराव तायड़े तथा वेटरन्स भारत के महाराष्ट्र अध्यक्ष पूर्व सैनिक अंकुश बालासाहेब शिंदे से मुलाकात की और पूर्व सैनिकों से जुड़े संपूर्ण विषय की जानकारी ली। पालकमंत्री गणेश नाईक ने पालघर जिले से संबंधित तत्कालीन मामलों में पूर्व सैनिकों के गृह कर को तत्काल प्रभाव से माफ करने हेतु अपने कोष से शुल्क जमा कर सभी लंबित वादों का निपटारा किया। साथ ही प्रदेश स्तर पर इस विषय के स्थायी समाधान के लिए जिलाधिकारी पालघर के माध्यम से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र सौंपते हुए सार्वजनिक आदेश जारी कराने का आश्वासन दिया। पालकमंत्री की सकारात्मक पहल के बाद अनशनकारियों को नारियल पानी व फ्रूटी पिलाकर आमरण अनशन का विधिवत समापन कराया गया। इस अवसर पर उपस्थित पूर्व सैनिकों एवं सामाजिक संगठनों ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए पालकमंत्री गणेश नाईक के प्रति आभार व्यक्त किया।

अक्षय कुमार द्वारा होस्ट होने वाले व्हील ऑफ फॉर्च्यून पर 1 करोड़ तक और बड़े इनाम जीत सकते हैं

मुंबई/पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया एक तेज-तर्रार गेम शो है, जो मौके के रोमांच और शब्दों की शक्ति को एक साथ लाता है जो चार रोमांचक राउंड में होता है। स्पीड, रणनीति, बुद्धिमत्ता और तेज सोच का टेस्ट करने के लिए डिजाइन किए गए, शो के चार राउंडः ट्रिपल टॉस-अप, पजल राउंड, डबल धमाका और बोनस राउंड दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेंगे। भारतीय एडिशन इंग्लिश, हिंदी और हिंग्लिश वर्ड पजल के साथ अपना अलग अंदाज जोड़ता है, जिसमें द्विभाषी शब्दों का खेल और नाटकीय ट्विस्ट शामिल हैं, जो हर राउंड को अप्रत्याशित और आकर्षक बनाते हैं।

रेजुवा एनर्जी सेंटर की नई शाखा का उद्घाटन संपन्न

मुंबई। मुंबई के मालाड वेस्ट में रेजुआ एनर्जी सेंटर की नई शाखा के भव्य शुभारंभ का साक्षी बना। इस सेंटर का उद्घाटन प्रसिद्ध एक्यूपंक्चर विशेषज्ञ एवं होलिस्टिक हीलर संतोष पांडे द्वारा किया गया, जिसमें जानी-मानी अभिनेत्री कुब्रा सैत के साथ मिकी मेहता, सचिन दनाई, एकता जैन, हिमांशु मेहता सहित वेलनेस और एंटरटेनमेंट जगत की कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

शुभारंभ समारोह की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जो सकारात्मक ऊर्जा और होलिस्टिक हीलिंग की नई शुरूआत का प्रतीक रहा। इस अवसर पर 200 से अधिक मेहमानों की मौजूदगी ने मुंबई के वेलनेस क्षेत्र में रेजुआ एनर्जी सेंटर की बढ़ती लोकप्रियता और विश्वास को दर्शाया।

कार्यक्रम के दौरान कुब्रा सैत ने संतोष पांडे और उनके कार्य की सराहना करते हुए उन्हें एक जादूगर बताया और कहा कि उनके एक्यूपंक्चर उपचार ने गहरा सकारात्मक प्रभाव डाला है। उन्होंने यह भी कहा कि रेजुआ एनर्जी सेंटर ने होलिस्टिक हीलिंग के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है और संतोष पांडे की विशेषज्ञता व संवेदनशीलता लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा अपनाने के लिए प्रेरित करती है।

अभिनेत्री एवं एंकर एकता जैन ने भी संतोष पांडे के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया तथा रेजुआ की थेरेपी से मिले सकारात्मक बदलाव की सराहना की। दादर, सांताक्रूज, तारदेव , मलाड और पवई में सफलतापूर्वक संचालित शाखाओं के बाद, रेजुआ एनर्जी सेंटर मुंबई में अपने विस्तार के साथ होलिस्टिक और प्राकृतिक चिकित्सा को अधिक लोगों तक पहुंचाने के अपने मिशन को मजबूत कर रहा है।

उत्तर क्षेत्रीय संस्था रजि. बोईसर ने धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर प. तारापुर रोड स्थित इंद्रप्रस्थ ऑटो सर्विस पेट्रोल पंप के प्रांगण में उत्तर क्षेत्रीय संस्था रजि. ने सोमवार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तारापुर पुलिस स्टेशन के प्रभारी सहायक पुलिस निरीक्षक निवास सदाशिव कणसे ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य जनों के साथ उन्होंने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया और भारत माता की जय तथा वंदे मातरम्के उद्घोष के साथ देश के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। इस अवसर पर कणसे ने एकता, अखंडता व देशप्रेम का संदेश देते हुए सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दीं। उत्तर क्षेत्रीय संस्था के अध्यक्ष अरविंद सिंह क्षत्रिय ने

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, पुलिस कर्मियों, सहपाठियों व मीडियाकर्मियों का आतिथ्य सत्कार कर सभी जनों का मुँह मीठा कराया। इस दौरान संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी शोभनाथ त्रिपाठी, हनुमान सिंह, सज्जन (लालाजी) गुप्ता, बृजेश चंद्र पाण्डेय, अमर सिंह, घनश्याम सिंह, एस.एस. तिवारी, बी.एन. सिंह, रामनरेश यादव समेत बड़ी संख्या में राष्ट्रप्रेमी जन उपस्थित रहे।

शशिकांत कांबले की भाजपा गटनेता पद पर नियुक्ति

कल्याण (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली महानगरपालिका में भारतीय जनता पार्टी के 50 नगरसेवकों ने शशिकांत कांबले को गट नेता पद पर नियुक्त किया है। कांबले पहली बार नगरसेवक चुने गए हैं और पार्टी ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है।

बतादें कि कांबले भाजपा के कल्याण-डोंबिवली जिला अध्यक्ष रह चुके है। इसके अलावा वह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के करीबी माने जाते है। नियुक्ति के बाद शशिकांत कांबले ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण एवं सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मुझपर विश्वास जताते हुए गुटनेता पद की जिम्मेदारी सौंपी है। कांबले ने आगे कहा कि महानगरपालिका के कार्यों का अनुभव रखने वाले अनेक नगरसेवक हैं, उन सभी को साथ लेकर काम करूंगा। इस मौके पर भाजपा के तमाम पदाधिकारियों ने कांबले को शुभकामनाएं दी।

उत्तर भारतीय समाजसेवा संस्था द्वारा उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के कार्यक्रम में उमड़ा उत्तर भारतीयों का जन सैलाब

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तर भारतीय समाज सेवा संस्था (रजि.) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हजारों उत्तर भारतीय पुरुष, महिला और युवकों का भारी जन सैलाब देखने को मिला है। बतादें कि मानसरोवर चौक स्थित महाराजा ग्राउंड में हजारों की संख्या में लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई वहीं सैकड़ों लोग खड़े होकर प्रसिद्ध भोजपुरी व अवधी गायक दीपक सुहाना नाइट के सामाजिक व संस्कृति रंगारंग कार्यक्रमों का आनंद ले रहे थे। खास बात यह रही कि इस विशाल मंच पर पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल, मुंबई से भाजपा विधायक संजय उपाध्याय, भिवंडी भाजपा के विधायक महेश चौघुले,

शिवसेना के पूर्व विधायक रूपेश म्हात्रे, पूर्व उप महापौर नगरसेवक मनोज काटेकर, यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष व सपा प्रदेश उपाध्यक्ष अजय (लाला) यादव, भिवंडी भाजपा अध्यक्ष रविकांत सावंत, मुख्य अतिथि के तौरपर उपस्थित थे। इसी के साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के नवनिर्वाचित नगरसेवकों में बालाराम चौधरी, निलेश चौधरी, सुमित पाटिल, राजू चौघुले, क्षमा मनोज सिंह, नितेश ऐनकर, राजेश शेट्टी, मेहुल पाटिल, गीता बिठोबा नाईक, एड. वैभव भोईर, भाजपा महिला भिवंडी अधक्ष कल्पना शर्मा, भिवंडी सपा अध्यक्ष अनस अंसारी शहर शिवसेना उबाठा प्रमुख मनोज गगे सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। उत्तर भारतीय संस्था के इस कार्यक्रम ने भिवंडी में एक नया इतिहास रच दिया जिसकी पूरे शहर में सराहना हो रही है। उत्तर भारतीय समाज सेवा संस्था की तरफ से मानसरोवर स्थित महाराजा ग्राउंड में पहली बार उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां एक मंच पर सभी राजनीतिक दलों की हस्तियां और मैदान में उत्तर भारत का सकल समाज एकत्र हुआ।कार्यक्रम में उ भा समाज के डाक्टर, प्रिंसिपल, वकील और पत्रकार के साथ विभिन्न जाति समाज के अध्यक्षों का स्वागत संस्था अध्यक्ष कृष्णगोपाल सिंह(दादा ठाकुर), एड. प्रवीण मिश्रा, मनोज सिंह, उदयराज सिंह, राम शंकर केसरवानी, सदा प्रकाश सिंह, बालमुकुंद शुक्ला, पी डी यादव, पत्रकार गुरु प्रसाद सिंह, एड. आर. आर. त्रिपाठी, सलाहकार अनिल सिंह, डा.स्वाति सिंह, युवाध्यक्ष अजीत ठाकुर आदि पदाधिकारियों ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पुष्प गुच्छ और गमछा देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्था महासचिव संजय दुबे और आभार प्रदर्शन महासचिव पत्रकार जितेंद्र तिवारी ने किया।

केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन व शिवतेज मित्र मंडल ने धूमधाम से मनाया 77वाँ गणतंत्र दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर स्थित काशी विश्वनाथ एवं शीतला माता मंदिर परिसर के समीप केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन एवं शिवतेज मित्र मंडल की ओर से 26 जनवरी 2026 को देश का 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास व देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम में केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन, शिवतेज मित्र मंडल, शिव मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष तुलसीराम केवट के करकमलों द्वारा झंडा फहराया गया। ध्वजारोहण से पूर्व आचार्य पंडित गोलू मधुर महाराज द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के

साथ विधिवत पूजन संपन्न कराया गया।

ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान का गायन किया और तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान सभी लोगों में देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों को मिठाई वितरित कर गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दी गईं तथा आपसी सौहार्द व एकता बनायें रखने की अपील की गई। इस अवसर पर सर्वेश सिंह, संजय मास्टर, राजीव रंजन सिंह, धर्मेंद्र शाह, संतोष साहनी, संजय बावरे, सूर्य नारायण चौधरी, बाबू सिंह, शिवकुमार सिंह, राजू यादव, बिंदु गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पालघर जिला परिषद में उत्साहपूर्वक मनाया गया गणतंत्र दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में भारतीय गणतंत्र दिवस का 77वां वर्षगांठ समारोह अत्यंत उत्साह, देशभक्ति व गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के हाथों से ध्वजारोहण किया गया। उन्होंने राष्ट्रध्वज को सलामी दी व उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों की मानवंदना स्वीकार की। ध्वजारोहण के पश्चात मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा नागरिकों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया। इसके बाद समता प्रतिष्ठान, नागपुर द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता की

विजेता छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कु. संचिता लोतडा (ज्ञानमाता बालिका छात्रावास, उपलाट, तहसील तलासरी) को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के हाथों प्रमाणपत्र एवं 3000 का धनादेश देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विजेता छात्रा सहित प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों का विभिन्न स्तरों से अभिनंदन किया गया। इस गणतंत्र दिवस समारोह में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, परियोजना संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य) इजाज अहमद शरीकमसलत सहित जिला परिषद के सभी विभाग प्रमुख, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी टैरिटेबल ट्रस्ट ने मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी टैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद में स्थित श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी मंदिर परिसर में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण करने के बाद ध्वजारोहण करके की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मिलिंद आत्माराम संखे के करकमलों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रध्वज को सलामी दी तथा राष्ट्रगान का सामूहिक रूप से गायन किया। कार्यक्रम के उपरांत ट्रस्ट की ओर से सभी उपस्थित लोगों को मिठाई वितरित की गई और एक-दूसरे को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर वक्ताओं ने देश की एकता, अखंडता और संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी टैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं मंदिर के संस्थापक जितेंद्र दुबे, पंडित राघवेंद्र महाराज, मनोहर सिंह, अजय कुमार पाण्डेय, राजू श्रीवास्तव, ज्ञान प्रकाश पाण्डेय, संजय कुमार जायसवाल, सभाजीत यादव, रोहित ओझा, आर.के. सिंह, मुन्ना ठाकुर, कुंदन ओझा, सुमित ठाकुर, शैलेन्द्र सिंह, धर्मेंद्र मौर्या, सुरेश चौरसिया, राजेंद्र चौरसिया, चन्दन झा, मयूर कुटे सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

वरिष्ठ भाजपा नगरसेवक निलेश चौधरी के जनसंपर्क कार्यालय पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर किया गया ध्वज वंदन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पूरे भारत में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया इसी तरह में अंजूरफाटा के महावीर चौक पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नगरसेवक निलेश हरिश्चंद्र चौधरी के जनसंपर्क कार्यालय में भव्य ध्वजारोहण व भारतमाता पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेष बात यह रही कि वरिष्ठ नगरसेवक निलेश चौधरी ने ध्वजारोहण का सौभाग्य यश पाटिल को प्रदान किया। यश पाटिल के शुभ हाथों से राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिससे उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखने को

मिला।ध्वजारोहण के पश्चात यश पाटिल ने कहा कि, मुझे जो सम्मान और अवसर प्रदान किया गया है, उसके लिए मैं वरिष्ठ नगरसेवक निलेश चौधरी का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूँ।

उन्होंने इस अवसर को अपने लिए गौरवपूर्ण बताते हुए सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम के दौरान निलेश चौधरी द्वारा उपस्थित भाजपा के महिला/पुरुष पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं नागरिकों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं। राष्ट्रभक्ति के वातावरण में संपन्न यह कार्यक्रम अनुशासन, एकता और देशप्रेम का संदेश देने वाला रहा।

महाराष्ट्र पुलिस के लिए कैंसर जांच शिविर का आयोजन

मुंबई। गणतंत्र दिवस के मौके पर वसोर्वा पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र पुलिस कर्मियों के लिए सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक एक कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य देश की सेवा करने वाले पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य और भलाई को बढ़ावा देना था। यह पहल महाराष्ट्र पुलिस बॉयज एसोसिएशन और यूई लाइफसाइंसेज के सहयोग से आयोजित की गई। इस शिविर में लगभग 100 पुलिस कर्मियों ने भाग लिया और उन्होंने ब्रेस्ट एवं ओरल कैंसर की जांच कराई। इसका मकसद सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले फ्रंटलाइन वर्कर्स के बीच शीघ्र पहचान और निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना था।

यह स्क्रीनिंग ब्रेस्ट कैंसर के लिए और ओरल कैंसर के लिए ओरल कैंसर असेसमेंट जैसी उन्नत, बिना चीरफाड़ वाली तकनीकों का उपयोग करके की गई, इससे फौरन और विश्वसनीय मूल्यांकन संभव हुआ।

आदित्य बिरला सन लाइफ इंशोरेंस का अ-निश्चित इंडेक्स 2.0

मुंबई/पटना। भारत में वित्तीय दबाव, स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं, कार्य-जीवन की चुनौतियों और व्यापक सामाजिक जोखिमों के कारण अनिश्चितता का स्तर लगातार ऊंचा बना हुआ है। राष्ट्रीय अ-निश्चित इंडेक्स 79 है, जो यह दर्शाता है कि वित्तीय तैयारी, स्वास्थ्य खर्च, मानसिक संतुलन और दीर्घकालिक स्थिरता को लेकर लोगों की चिंताएं बनी हुई हैं। पटना में अ-निश्चीत इंडेक्स 85 दर्ज किया गया, जो राष्ट्रीय और ईस्ट जोन दोनों के औसत से अधिक है और यह शहर में बढ़ी हुई चिंता को दर्शाता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सीजेएम के निर्देश पर जमीनी विवाद में 12 लोगों पर गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) कोर्ट नंबर 11, जौनपुर ने ग्राम सुरहुरपुर (थाना जलालपुर) में हुए विवाद और पुलिस की निष्क्रियता पर कड़ा रुख अपनाते हुए महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। न्यायालय ने प्रार्थी सुरेन्द्र कुमार द्वारा विपक्षी प्रेमशंकर व अन्य के विरुद्ध दी गई अर्जी को परिवाद (Complaint) के रूप में दर्ज करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट का आदेशः आबादी की जमीन पर अवैध कब्जे और जानलेवा हमले के मामले में दर्ज होगा परिवाद

मामला 14 जून 2025 की शाम का है, जब विपक्षी प्रेमशंकर, रामआसरे, अरुण, और उनके परिवार के लगभग एक दर्जन सदस्यों ने एकजुट होकर प्रार्थी सुरेन्द्र कुमार की 'आबादी' की जमीन पर जबरन टिनशेड रखकर कब्जा करने का प्रयास किया। विरोध करने पर विपक्षीगणों ने प्रार्थी और उनके बेटों (संतोष व आकाश) पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में संतोष के सिर पर गंभीर चोट आने के कारण वह मौके पर ही बेहोश हो गया था और उसे जिला चिकित्सालय जौनपुर रेफर करना पड़ा था।प्रार्थी का आरोप है कि घटना की सूचना 112 नंबर और थाना जलालपुर को समय पर दी गई थी, लेकिन पुलिस ने दोषियों पर कार्यवाही करने के बजाय टालमटोल की। आरोप यह भी है कि विपक्षीगणों के प्रभाव में आकर पुलिस ने पीड़ित पक्ष के विरुद्ध ही 'क्रॉस केस' दर्ज कर लिया, जबकि पीड़ितों का उपचार सरकारी अस्पताल में चल रहा था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्वेता यादव ने पत्रावली का अवलोकन करने के बाद पाया कि मामले में साक्ष्य और जांच की प्रक्रिया आवश्यक है। माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा 'प्रियंका श्रीवास्तव बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' मामले में दिए गए विधिक सिद्धांतों का हवाला देते हुए न्यायालय ने आदेश दिया कि,धारा 173(4) इठरर के प्रार्थना पत्र को परिवाद के रूप में दर्ज किया जाए। मामले को संबंधित क्षेत्राधिकार वाले न्यायालय में स्थानांतरित किया जाए।अगली सुनवाई और बयान दर्ज करने हेतु 21 फरवरी 2026 की तिथि निर्धारित की गई है। इस आदेश के बाद अब विपक्षीगणों को न्यायालय के समक्ष पेश होकर अपना पक्ष रखना होगा और पुलिस की भूमिका पर भी सवालिया निशान खड़े हो गए हैं।

रिजर्व पुलिस लाइन में शौर्य और अनुशासन का प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन जौनपुर में जनपदीय पुलिस द्वारा भव्य परेड का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। परेड स्थल देशभक्ति, अनुशासन और गर्व के भाव से ओतप्रोत नजर आया।

मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने ली भव्य परेड की सलामी

परेड का निरीक्षण पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के नेतृत्व में मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। परेड का नेतृत्व प्रथम परेड कमांडर सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता (आईपीएस), द्वितीय परेड कमांडर सहायक पुलिस अधीक्षक सुश्री श्रुष्टि जैन (आईपीएस) तथा तृतीय कमांडर उपनिरीक्षक विजय नारायण दूबे ने किया। मंच के समक्ष से गुजरती परेड को मंत्री ने सलामी दी। इस दौरान पुलिस की कुल 19 टोलियों ने अपने शौर्य, अनुशासन और पराक्रम का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

समारोह में 17 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा जारी सेवा अभिलेख के आधार पर मुख्य आरक्षी इन्द्र भगवान तिवारी और निरीक्षक योगेन्द्र यादव को सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त यूपी-112 परियोजना के अंतर्गत पीआरवी रिस्पॉन्स टाइम व ह्यपीआरवी ऑफ द डेह्ल के लिए चयनित पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाले 36 पुलिसकर्मियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र, जिला जज सुशील कुमार शशि,अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव, प्रतिभा वर्मा क्षेत्राधिकारी मछलीशहर सहित अन्य गणमान्य अतिथि, अधिकारीगण एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने फहराया तिरंगा, बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

पुलिस लाइन में भव्य आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 77वां गणतंत्र दिवस जनपद भर में हर्षोल्लास, देशभक्ति और गरिमा के साथ मनाया गया। मुख्य समारोह पुलिस लाइन परिसर में आयोजित हुआ, जहां राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश गिरीश चंद्र यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और पुलिस परेड की सलामी ली।

समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और जवानों को सम्मानित किया गया, जिससे पुलिस बल का मनोबल बढ़ा। वहीं जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

अपने संबोधन में मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि 26 जनवरी भारतीय लोकतंत्र का गौरवशाली दिवस है। इसी दिन वर्ष 1950 में देश का संविधान लागू हुआ और भारत एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न गणराज्य बना। उन्होंने संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित सभी महान विभूतियों को नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग और दूरदृष्टि के कारण हमें लोकतंत्र की मजबूत नींव मिली।

मंत्री ने कहा कि आज भारत विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा और विकास के हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह प्रगति किसानों, श्रमिकों, महिलाओं और युवाओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में उनकी भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने सभी नागरिकों से संविधान के मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय एकता के प्रति निष्ठावान रहने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्रा, विधायक शाहगंज रमेश सिंह, जनपद न्यायाधीश सुशील कुमार शशि, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण और आम नागरिक उपस्थित रहे।

डॉ.अख़्तर हसन रिजवी शिया पीजी कॉलेज में गणतंत्र दिवस पर गरिमामय ध्वजारोहण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर डॉ.अख़्तर हसन रिजवी शिया पीजी कॉलेज में रविवार को गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्टी कमेटी के वरिष्ठ सदस्य ख़्वाजा शमशीर हसन नजमुल हसन नजमी एवं कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सादिक रिजवी ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया, जिसमें उपस्थित शिक्षकगण एवं कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की।

वक्ताओं ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. अलमदार नजर, डॉ तस्लीम फात्मा, तहसीन शाहिद, जावेद, परवेज हसन सहित कॉलेज के अन्य शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। समारोह शांतिपूर्ण और अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ।

रक्तदान करके बचाई जा सकती है किसी की जानः विनय वर्मा

मोस्ट कल्याणकारी संस्थान की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान करके 16 लोग बने महादानी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला विकासखंड क्षेत्र के समला देवी जनकल्याण इंटरमीडिएट कॉलेज रुधौली में मोस्ट कल्याणकारी संस्थान की ओर से रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के जिला अध्यक्ष विनय वर्मा, उदयभान मौर्य और हरिराम वर्मा ने संयुक्त रूप से किया। इस रक्तदान शिविर में कुल 16 लोगों ने रक्तदान किया। विनय वर्मा ने कहा कि रक्तदान महादान है इससे बड़ा दान दुनिया में कुछ नहीं है। उन्होंने बताया कि रक्त किसी की भी जिंदगी को बचा सकता है। इसलिए लोगों के जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इससे हृदय रोग का कम खतरा, आयरन का संतुलन, कैंसर का कम जोखिम, और कैलोरी बर्न। इसके अतिरिक्त, नया रक्त बनता है, और फ्री हेल्थ चेकअप का लाभ मिलता है, जिससे समग्र हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है। उदयभान मौर्य ने कहा कि खून की जरूरत किसी को भी पड़ सकती है इसलिए इस महा पुण्य में सभी लोगों को आगे आना चाहिए। यह घटना किसी के साथ भी घट सकती है। रामानंद बौद्ध ने कहा कि रक्तदान करना एक पुनीत कार्य है जिससे न केवल दूसरों की जान बचती है, बल्कि डोनर के स्वास्थ्य को भी कई फायदे मिलते हैं। रक्तदान करने वालों में विनय वर्मा, रामानंद बौद्ध, संतोष कुमार, सोहन बिन्द, दीप चन्द, अजय कुमार, विंद लाल, श्रेयांस कुमार, बजरंगी बिंद, अभिषेक कुमार, संजय कुमार, सरोजा सहित अन्य लोग रहे।

उत्तर-प्रदेश दिवस को जनोत्सव के रूप में मनाएं: प्रो.रणजीत पांडेय

गांधी स्मारक पी.जी. कॉलेज समोधपुर में 'उत्तर प्रदेश दिवस' कार्यक्रम का आयोजन

सुइथाकला,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गांधी स्मारक पी.जी. कॉलेज समोधपुर में शनिवार को 'उत्तर प्रदेश दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ प्राचार्य प्रो. रणजीत कुमार पांडेय ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। प्रोफेसर रणजीत कुमार पांडेय ने उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक परंपराओं पर प्रकाश डाला। कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आत्मा है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रदेश की गौरवशाली विरासत को जानने, समझने और उसके संरक्षण के लिए सजग रहने का आह्वान किया। प्रो.पांडेय ने उत्तर प्रदेश दिवस को जनोत्सव के रूप में मनाए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गौरवशाली अतीत और सशक्त वर्तमान वाले अपने इस उत्तर प्रदेश को उत्तमोत्तम प्रदेश बनाकर विकसित देश बनाने में अपने अपने स्तर से अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी व पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करते रहना है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक योगदान पर वक्ताओं द्वारा विचार व्यक्त किए गए। विद्यार्थियों ने भी विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्तर प्रदेश की संस्कृति एवं उपलब्धियों को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह व धन्यवाद ज्ञापन डॉ.विष्णु कांत त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में डॉ.अवधेश कुमार मिश्रा, डॉ.नीलमणि सिंह, डॉ.पंकज सिंह, डॉ. लालमणि प्रजापति, विकास कुमार यादव, नीलम सिंह, जितेंद्र कुमार, बिंद प्रताप सिंह, अखिलेश सिंह, राजेश सिंह आदि मौजूद रहे।

यूजीसी के विरोध में मार्च निकाल रहे सवर्ण समाज को जिला प्रशासन ने रोका

कहा- आप हमें ज्ञापन दीजिए हम सरकार तक आपकी बात पहुंचाएंगे

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में यूजीसी के विरोध मे यूजीसी में पारित नए कानून के विरोध में शांति मार्च निकाल रहे सवर्ण समाज के लोगों को लंका पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा हेरिटेज हॉस्पिटल के पास रोक दिया गया। हम लोग यूजीसी के विरोध में एक शांति मार्च बीएचयू सिंह द्वार पर निकाल कर सरकार से अपनी बात कहना चाहते थे लेकिन जिला प्रशासन द्वारा हम लोगो को अपनी बात भी नहीं कहने दिया जा रहा है। लंका पुलिस ने हेरिटेज हॉस्पिटल के पास हम लोगों को रोक दिया यहां तक कि हम लोगों को मीडिया से बात करने से भी मना कर रहे थे किसी तरह मीडिया वाले से हम लोग की बातचीत हुई है । उन्होंने सरकार से अपील की है कि वह यूजीसी में पारित काले कानून को खत्म करें और सबको मौका दें सब पढे सब आगे बढ़े। मार्च में अजय पांडे अजय मिश्रा, राजेंद्र सिंह शामिल रहे।

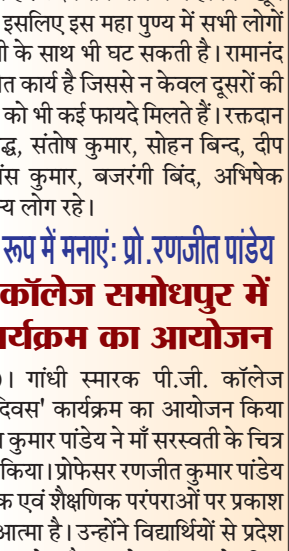

जौनपुर में हर्षोल्लास के साथ मना 77वां गणतंत्र दिवस, डीएम ने दिलाई संविधान की शपथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में 77वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह, गरिमा और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कलेक्ट्रेट प्रांगण में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने ध्वजारोहण किया और उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई। उन्होंने भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बनाए रखने के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम के दौरान जनक कुमारी इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई, जिससे वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। जिलाधिकारी ने उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए सभी छात्राओं को सम्मानित किया। इसके पश्चात कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी का दिन हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान के बाद देश को आजादी मिली और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने से राष्ट्र को सशक्त दिशा मिली। संविधान ने सभी नागरिकों को समान अधिकार, न्याय और सम्मान प्रदान किया।

उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस, पंडित जवाहरलाल नेहरू और भगत सिंह जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक ह्यविकसित भारतह्ल के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कर्तव्यों के निर्वहन और संस्कृति से जुड़ाव पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी ने गांधी तिराहे पर महात्मा गांधी तथा अंबेडकर तिराहे पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी, मुख्य राजस्व अधिकारी सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विकास भवन सहित सभी सरकारी कार्यालयों में भी ध्वजारोहण किया गया।

आजमगढ़ ने झारखंड को 1.0 से हराया

बोलीं विधायक डॉ रागिनी, विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर जीत दर्ज कराएगी सपा

ऑल इंडिया महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन समारोह का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र अंतर्गत नॉर्मल मैदान ग्राउंड में नेताजी मुलायम सिंह यादव की स्मृति में रविवार को केराकत स्पोर्ट्स एकेडमी फेडरेशन की ओर से ऑल इंडिया महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन समारोह देर शाम तक चलता रहा। समारोह की मुख्य अतिथि मछलीशहर की सपा विधायक डॉ रागनी सोनकर रहीं। विधायक ने समापन में पहुंच कर सभी खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया। इस प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें आजमगढ़ ने झारखंड को 1.0 से हराया। बिहार राज्य की तीन टीमों के अलावा केराकत, चंदौली, हिंडालको सहित 8 टीमों ने प्रतिभाग किया। विधायक ने कहा कि यह अकैडमी ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की प्रतिभा में निखार लाने का अद्भुत मंच साबित हो रही है। ऐसे आयोजन से क्षेत्र के युवा खेल के क्षेत्र में देश दुनिया में अपनी प्रतिभा के दम पर क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए जिसमें किसी भी प्रकार के मतभेद का कोई स्थान नहीं होता। विधायक ने जिले में खेलकूद के लिए खेल के मैदान और स्टेडियम की समस्या पर खेल मंत्री पर तंज कसा। विधायक ने कहा कि वर्तमान भाजपा की प्रदेश सरकार से जब भी खेल का मैदान मांगा नहीं मिला, बिजली और सड़क मांगा नहीं मिला।

विधायक ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि संविधान और युवाओं के सम्मान को बचाने के लिए वोट दें। युवाओं के भविष्य, बेटियों की सुरक्षा और देश की एकता के लिए अखिलेश यादव के नेतृत्व की सरकार बनाएं। अपने संबोधन में कहा कि देश को बचाने की जिम्मेदारी जनता की है। उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए आयोजक लालजी लखन यादव और उनकी टीम को बधाई दी। धर्मेंद्र पांडेय और प्रवीण मिश्रा रिंकू ने भी समारोह को संबोधित किया। आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन लालजी लखन यादव और संचालन संजय आर्य ने किया। मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति कृष्ण जायसवाल, अरविंद यादव, मनोज यादव, राजेश मिश्रा, बबलू यादव, पंकज कसौधन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

यू.एफ.बी.यू.के बैनर तले यूनियन बैंक के कर्मचारियों ने भरी हुंकार

बैंक कर्मचारियों ने सप्ताह में 5 दिन काम करने के लिए की हड़ताल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 27 जनवरी को देशभर के बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने 5 Days Banking (सप्ताह में पाँच कार्य दिवस) की जायज और लंबे समय से लंबित माँग को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के आह्वान पर हड़ताल/आंदोलन का आह्वान किया है। उक्त क्रम में जौनपुर में भी इस हड़ताल में सभी बैंक के कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया और क्षेत्रीय कार्यालय यूनियन बैंक जौनपुर से कलेक्ट्रेट एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय तक मार्च किया गया।

यह माँग केवल कर्मचारियों की सुविधा से जुड़ी नहीं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था को अधिक कुशल, संतुलित और जनहितकारी बनाने की दिशा में एक आवश्यक कदम है।

बैंकिंग क्षेत्र में बढ़ता कार्यभार, स्टाफ की कमी, निरंतर बढ़ता दबाव और मानसिक तनाव आज एक गंभीर समस्या बन चुका है। अन्य केंद्रीय एवं राज्य सेवाओं की तरह बैंक कर्मियों को भी 5 दिवसीय कार्य प्रणाली का लाभ मिलना चाहिए, जिससे वे बेहतर कार्यझजीवन संतुलन के साथ ग्राहकों को अधिक गुणवत्तापूर्ण सेवा दे सकें।

यह उल्लेखनीय है कि सरकार और प्रबंधन स्तर पर पूर्व में सहमति एवं आश्वासन दिए जाने के बावजूद अब तक इसे लागू नहीं लिया गया है, जिससे कर्मचारियों में गहरा असंतोष व्याप्त है। मजबूर होकर बैंक यूनियनों को यह आंदोलनात्मक कदम उठाना पड़ रहा है।

हम आम जनता से अपील करते हैं कि वे इस हड़ताल को बैंक कर्मचारियों की स्वार्थपूर्ण कार्रवाई न समझें, बल्कि इसे एक स्वस्थ, मजबूत और जवाबदेह बैंकिंग प्रणाली की माँग के रूप में देखें और अपना सहयोग प्रदान करें।

यदि शीघ्र ही 5 Days Banking पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित प्रबंधन और सरकार की होगी।

जौनपुर में यू.एफ.बी.यू.के बैनर तले यूनियन बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन ईस्टर्न यू पी के उपाध्यक्ष रामकृष्ण पाण्डेय , जौनपुर के क्षेत्रीय सचिव चंद्रभान सिंह सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारी और कर्मचारी सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे।

नागरिकों को समाज सेवा के लिए तैयार करता है स्काउटः एबीएसए

तीन दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला विकासखंड क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय अशोकपुर कला में आयोजित तीन दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को समापन समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि खंड शिक्षाधिकारी आनंद प्रकाश सिंह रहे। इसमें 120 स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षित किए गए। मुख्य अतिथि ने कहा कि स्काउट समाज का चतुर्दिक विकास करता है। स्काउट से छात्र-छात्राओं का सामाजिक, आध्यात्मिक, नैतिक, शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। बताया कि स्काउट देश के नागरिकों को समाज सेवा के लिए तैयार करता है। बताया कि स्काउट गाइड के माध्यम से जीवन में अनुशासन, सहयोग, दया, करुणा, ईमानदारी और सच्चाई जैसे सद्गुणों का विकास होता है। विशिष्ट अतिथि स्काउट गाइड के जिला मुख्य आयुक्त डॉ रणजीत सिंह ने कहा कि स्काउट विषम परिस्थितियों में जीवन जीने की कला सिखाती है।

ईश्वर में आस्था और समाज के प्रति सेवा भाव मूल मंत्र है। स्काउट मनुष्य को ईश्वर और प्रकृति के निकट लाने का काम करती है। खेल-खेल में बच्चों के भीतर सीखने की भावना उत्पन्न होती है। बच्चों ने बिना बर्तन के भजन पकाने, रोगियों की सेवा, एवं प्राथमिक चिकित्सा करने जैसे अन्य चीजों के बारे में जाना। इसके अलावा छात्रों ने प्रार्थना, झंडा गीत, टेंट पिचिंग, पुल और भारवाहक आदि में हिस्सा लिया। पूर्व प्रधान राम सहाय वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन प्रधानाध्यापक सतीश कुमार सिंह ने किया। मौके पर प्रशिक्षक व ट्रेनिंग काउंसलर अंबुज एवं श्रेया सिंह, दुष्यंत मिश्रा डॉ रणंजय सिंह, सुधाकर सिंह, रविंद्र भास्कर, राजाराम, कौशल कुमार, जितेंद्र सिंह, राकेश, हरेंद्र गौतम, पारस यादव, उमेश चंद्र यादव, अरविंद यादव, निशाकांत यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जफराबाद पुलिस ने 85 लाख रुपए की धोखाधड़ी व जालसाजी कर हड़प लेने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा 85 लाख रुपए की धोखाधड़ी व जालसाजी कर हड़प लेने वाले 01 आरोपी को जालसाजी मे प्रयुक्त मोबाईल के साथ किया गया गिरफ्तार। सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी नगर, गोल्डी गुप्ता के कुशल पर्यवेक्षण में थाना जफराबाद पुलिस द्वारा दिनांक 27.01.2026 को मु0अ0स0-17/2026 धारा -318(4), 338, 336(2), 336(3), 340(2), 61(2). बी.एन.एस. थाना-जफराबाद, जनपद- जौनपुर से सम्बन्धित 01 नफर नामजद आरोपी अर्जन चौहान उपरोक्त को जफराबाद पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया । पूर्व की घटना का संक्षिप्त विवरण आवेदक कमला प्रसाद पुत्र स्व0 फागू चौहान निवासी बैजाबाद थाना जफराबाद जनपद जौनपुर द्वारा प्रार्थना पत्र देकर बताया गया कि अभि?क्त अर्जुन चौहान पुत्र कृष्णमुरारी चौहान निवासी पचोखर चकराजेपुर, थाना-लाइनबाजार, जनपद- जौनपुर उम्र करीब 29 वर्ष अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर मेरे द्वारा खेत बेचकर युनियन बैंक में रखे गये 85 लाख रुपए को 01 वर्ष में दोगुना करने का लालच देकर 20 लाख रुपए आर0टी0 जीएस0 व 65 लाख रुपए नगद कुल 85 लाख रुपए धोखाधडी व छल करते हुए हड़प लेना तथा जब मैने अपने दिये गये पैसों के सम्बन्ध में रसीद की मांग की तो अभियुक्त अर्जुन चौहान उपरोक्त द्वारा सिविल लाइन एस0बीआई0बैंक जौनपुर के मुख्य शाखा का कूटरचित और फर्जी एफडी बाण्ड दे दिया गया। प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0स0-17/2026 धारा -318(4), 338, 336(2), 336(3), 340(2), 61(2). बी.एन.एस. थाना- जफराबाद, जनपद- जौनपुर पंजीकृत किया गया।

मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह ने माटुंगा में किया ध्वजारोहण

मुंबई। मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह ने आज माटुंगा मार्केट स्थित महावीर वैले को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी में मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण कर झंडे को सलामी दी। सम्मानित अतिथि के रूप में माटुंगा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादा साहेब धुटूकडे, विनय गठानी तथा कुमार शाह उपस्थित रहे। इस अवसर पर कमेटी चेयरमैन सुभाष कुलकर्णी, बिंदु द्विवेदी , प्रह्लाद नरसाना, सुरेंद्र महात्रे, प्रभाशंकर तिवारी, जयंत पटने, भावना सिंदे, संगीता गान्धी, सतीश शाह, हार्दिक शाह, मनोज शाह, विजय गुप्ता, चिंतन गुप्ता, वसंतजी गोगरी समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

शिवसेना उत्तर भारतीय संगठन के मुंबई उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए संतोष सिंह

मुंबई। हिन्दू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे, धर्मवीर आनंद दिघे के प्रखर हिन्दुत्ववादी विचारधारा के वाहक शिवसेना मुख्यनेता तथा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेशानुसार बालासाहेब भवन, शिवसेना मध्यवर्ती कार्यालय में उत्तर भारतीयों के युवा चेहरा कहे जाने वाले संतोष सिंह को, प्रशांत पलांडे संपर्क प्रमुख मावल , राष्ट्रीय प्रवक्ता गुलाब चंद दुबे व शिवसेना उत्तर भारतीय संगठन महाराष्ट्र के कार्याध्यक्ष जय प्रकाश सिंह द्वारा शिवसेना उत्तर भारतीय संगठन मुम्बई का उपाध्यक्ष बनाये जाने के उपरान्त नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। संतोष सिंह ने दी गई जिम्मेदारी के लिए उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, गुलाब चंद दुबे, जयप्रकाश सिंह तथा वरिष्ठ नेताओं का आभार मानते हुए कहा कि वे दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी समर्पित भावना के साथ करेंगे तथा पार्टी की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने ईएलएसएस को एक अनुशासन टूल के तौर पर पेश किया

मुंबई। यह सही है कि भारतीय इंवेस्टर्स के पास पहले से कहीं ज्यादा इक्विटी प्रोडक्ट का ऐक्सेस है, लेकिन बाजार साइकल के जरिए इंवेस्ट करना एक चुनौती बनी हुई है। डीएसपी म्यूचुअल फंड ने एक ऐसे परिप्रेक्ष्य की ओर संकेत किया है जो इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) को मुख्य रूप से टैक्स-सेविंग उपकरणों के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे प्रोडक्ट के रूप में दिखाता है जो लंबे समय तक इंवेस्टिग में व्यवहार संबंधी दूरी को कम करने में सहायता कर सकते हैं। इंवेस्टर्स के बढ़ते सेगमेंट के लिए सेक्शन 80उ के तहत टैक्स संबंधी विचार का कोई अर्थ नहीं होने के कारण ईएलएसएस ने हालिया बरसों में माइंडशेयर में कमी देखी है। हालाँकि, डीएसपी म्यूचुअल फंड का मानना है कि टैक्सेशन के अतिरिक्त कारणों के बावजूद ईएलएसएस की संरचनात्मक विशेषताएँ, विशेष रूप से अनिवार्य तीन साल का लॉक-इन, प्रासंगिकता बनाए रखते हैं। डीएसपी म्यूचुअल फंड के हेड–कंज्यूमर ग्रोथ मार्केटिंग, मनीष राठी ने कहा, इंवेस्टर्स के परिणाम अक्सर प्रोडक्ट सिलेक्शन से कम और व्यवहार से ज्यादा प्रभावित होते हैं। अस्थिरता की अवधि में, इंवेस्टर्स जल्दी बाहर निकलते हैं, गति का पीछा करते हैं या बाजार की शॉर्ट-टर्म उठा-पटक का जवाब देते हैं। ईएलएसएस की लॉक-इन सुविधा इंवेस्टर्स को साइकल के जरिए इंवेस्ट करने के लिए प्रोत्साहित करके इन रुझानों को कम करने में मदद कर सकती है। राठी ने कहा, यह ईएलएसएस को आज के इंवेस्टर के वातावरण के लिए प्रासंगिक बनाता है। जब स्वाभाविक झुकाव शॉर्ट-टर्म बाजार मूवमेंट पर प्रतिक्रिया करना है, तो एक प्रोडक्ट संरचना जो इंवेस्टर्स को लंबे समय तक इंवेस्ट करते रहने के लिए प्रेरित करती है, वही बेहतर परिणामों की संभावना में सुधार कर सकती है।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर ठाणे में द सोशल यूथ्स फाउंडेशन, वो यादव समाज ट्रस्ट तथा आधार फाउंडेशन के सहयोग से एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मानवीय पहल को समाज के विभिन्न वर्गों से भरपूर सहयोग एवं समर्थन मिला। कार्यक्रम की सफलता में बिहार पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पत्रकारपुरम में शान से लहराया तिरंगा, एकता और उत्साह का दिखा अद्भुत संगम

वाराणसी। मिलिट बाजार स्थित पत्रकारपुरम कॉलोनी में 76वें गणतंत्र दिवस का पर्व देशभक्ति, एकता और सामाजिक सौहार्द के भावों के साथ पूरे उल्लास से मनाया गया। पत्रकारपुरम विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित झंडोत्तोलन कार्यक्रम में कॉलोनीवासियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की और राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट की। सुबह निर्धारित समय पर जैसे ही तिरंगा शान से लहराया, पूरा परिसर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। इसके बाद पूरे जोश और सम्मान के साथ राष्ट्रगान हुआ, जिसमें हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों के लोगों ने एक स्वर में भाग लेकर गंगा-जमुनी तहजीब की जीवंत मिसाल पेश की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिन केवल संविधान के लागू होने का उत्सव नहीं, बल्कि नागरिक कर्तव्यों, लोकतांत्रिक मूल्यों और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प भी है। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर कॉलोनी के वरिष्ठ नागरिकों और गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही। झंडोत्तोलन कार्यक्रम में सर्वश्री केडीएन राय, डॉ. राजकुमार सिंह, पुरुषोत्तम चतुर्वेदी, डॉ. अरविंद सिंह, शिव प्रकाश सिंह, रमेश राय, अजय राय, एस.के. मेहरा, सुनील सोनकर, अवनीश उपाध्याय, सरफराज अहमद, मोहम्मद आसिफ, नरेंद्र यादव, प्रकाश द्विवेदी, रामदयाल, दशरथ सिंह सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने देश की एकता, अखंडता और संविधान की मर्यादाओं की रक्षा का संकल्प लिया। पत्रकारपुरम कॉलोनी में मनाया गया यह गणतंत्र दिवस समारोह न केवल देशभक्ति का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे का भी सशक्त संदेश दे गया।

कहा भी न जाए और रहा भी न जाए: उत्तर भारतीय समाज के तथाकथित नेताओं पर उठे सवाल

-लाल शेखर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय समाज से जुड़ी अनेक संस्थाओं और संगठनों के मंचों पर स्वयं को समाज का सिरमौर बताने वाले नेताओं की भूमिका पर अब गंभीर प्रश्न खड़े होने लगे हैं। आए दिन समाज के नाम पर बड़े-बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें ऊंची-ऊंची बातें, जोशीले भाषण और समाजहित के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन जमीनी सच्चाइयों पर इन नेताओं की चुप्पी समाज को कचोट रही है।

हाल ही में उत्तर भारतीय समाज के एक व्यक्ति की निर्मम हत्या की घटना ने समाज को झकझोर कर रख दिया। इसके बावजूद समाज के तथाकथित बड़े और अतिविशिष्ट नेता सरकार से पीड़ित परिवार के लिए ठोस सहायता या कम से कम 50 लाख रुपये के मुआवजे की मांग तक नहीं उठा सके। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इन नेताओं को सांप सूंघ गया है, या फिर वे ऐसे चश्मे में जी रहे हैं जिससे उन्हें समाज का दर्द दिखाई और सुनाई नहीं देता।

समाज के लोगों का कहना है कि यदि इन नेताओं में इतनी भी ताकत नहीं है कि वे एक निर्दोष व्यक्ति की हत्या पर सरकार से न्याय और मुआवजे की मांग कर सकें, तो फिर भीड़ जुटाकर केवल संगीत और रंगीन शामें सजाने का क्या औचित्य है। सिर्फ कार्यक्रमों में भीड़ इकट्ठा कर लेना और मंच से स्वयं को बड़ा नेता घोषित करना समाज सेवा नहीं कही जा सकती। आक्रोशित स्वर में समाज के बुद्धिजीवियों ने कहा कि ऐसे नेताओं को धिक्कार है, जो संकट की घड़ी में समाज के साथ खड़े होने के बजाय मौन साध लेते हैं। समाज को अब आत्ममंथन करने की आवश्यकता है कि क्या वह केवल दिखावे और भाषणों से संतुष्ट रहेगा या फिर अपने हक और सम्मान के लिए संगठित होकर आवाज उठाएगा। समाज के लोगों ने मांग की है कि यदि वास्तव में उत्तर भारतीय समाज के प्रति जिंदादिली है, तो सरकार से पीड़ित परिवार के लिए न्यायसंगत मुआवजा और सहायता की मांग की जाए। तभी उस दिवंगत आत्मा को सच्ची शांति मिल सकेगी। अन्यथा समाज को यह संकल्प लेना होगा कि भविष्य में ऐसे किसी भी नेता की ताजपोशी नहीं की जाएगी, जो केवल मंचों तक सीमित रहे। अंत में समाज से अपील की गई कि वह स्वयं समझदार बने, अपने अधिकारों को पहचाने और अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करे।

प्रतिबंधित गुटखा से भरा हुआ दो लग्जरी कार जप्त किया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड़ एमबीवीवी क्राइम ब्रांच यूनिट एक ने काशीगांव पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में मीरा रोड इलाके में बैन गुटखे पर एक बड़ी रेड मारी गई है ।

इस ऑपरेशन के दौरान, महाराष्ट्र में बैन गुटखा ले जा रहे दो लग्जरी चार पहिया वाहन जब्त किए गए। जब्त किए गए प्रतिबंधित सामान की कुल कीमत ?25 लाख बताई जा रही है। यह रेड डीसीपी राहुल चव्हाण की देखरेख में की गई है। आगे की जांच जारी है।

अष्ट ज्वेलरी कंपनी ने होटल पनाश में अपने एक्सक्लूसिव लैब-ग्रोन डायमंड कलेक्शन का किया भव्य प्रदर्शन

पटना(उत्तरशक्ति)। अष्ट लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी कंपनी ने गाँधी मैदान स्थित होटल पनाश में अपने एक्सक्लूसिव लैब-ग्रोन डायमंड कलेक्शन का भव्य प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अष्ट ज्वेलरी कंपनी ने अपने खास प्रोडक्ट्स और नवीनतम डायमंड कलेक्शन को शहरवासियों के बीच प्रस्तुत किया, जिसे ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली। वहीं एग्जिबिशन में उपस्थित अष्ट कंपनी के अधिकारी कैबन साह ने बताया कि अष्ट अपनी विशिष्ट और आधुनिक लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी को देशभर में प्रदर्शनियों के माध्यम से प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह ब्रांड उच्च गुणवत्ता, बेहतरीन डिजाइन और टिकाऊ लक्जरी पर विशेष जोर देता है। अष्ट के आभूषण आईजीआई प्रमाणित 97-फेसेटेड अष्ट कट लैब-ग्रोन डायमंड्स से तैयार किए गए हैं, जो आधुनिक जीवनशैली के साथ पर्यावरण के प्रति जागरूक विलासिता का प्रतीक हैं। कंपनी अधिकारी ने आगे कहा कि अष्ट अब भारत के विभिन्न शहरों में अपनी नई और आधुनिक लैब-डायमंड श्रृंखला के प्रदर्शन के माध्यम से तेजी से विस्तार कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान रचना भीमसारिया और मुकूल भीमसारिया दोनों ने कहा कि एग्जिबिशन के जरिए बेहतरीन रिस्पॉन्स मिल रहा है, जिससे काफी उत्साहित है। उन्होंने बताया कि जल्द ही पटना में अष्ट लैब ग्रोन डायमंड ज्वेलरी के ब्रांच की ग्रैंड ओपनिंग करने की कोशिश कर रहे है।

स्पेन में व्यावसायिक इंटर्नशिप करेंगे एलआर तिवारी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थी

भायंदर। श्री एल. आर. तिवारी डिग्री कॉलेज, मीरा रोड के बी.एससी. हॉस्पिटैलिटी स्टडीज (बी.एससी. एच.एस.) के विद्यार्थियों को 6 माह की इंटर्नशिप के लिए स्पेन स्थित अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित हयात सीक्रेट्स लांजारोटे रिसॉर्ट एंड स्पा होटल में चयनित किया गया है। यह कॉलेज और विद्यार्थियों दोनों के लिए गर्व का विषय है। यह विद्यार्थियों की पहली व्यावसायिक इंटर्नशिप है, जिसमें वे होटल उद्योग की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करेंगे तथा अपने कौशल को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का अवसर पाएँगे। इस अवसर पर राहुल एजुकेशन के संस्थापक चेयरमैन लल्लन तिवारी एवं सचिव राहुल तिवारी ने सभी चयनित विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी। लल्लन तिवारी ने कहा कि यह इंटर्नशिप विद्यार्थियों के करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारे छात्र न केवल संस्थान का नाम रोशन करेंगे, बल्कि अपने परिश्रम, अनुशासन और प्रतिभा से निरंतर आगे बढ़ेंगे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय मिश्रा एवं कार्यक्रम समन्वयक अभिषेक नाईक ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए आशा व्यक्त की कि वे इस अवसर का पूर्ण लाभ उठाकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएँगे। यह उपलब्धि यह सिद्ध करती है कि श्री एल. आर. तिवारी डिग्री कॉलेज विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उद्योग से जुड़ने के श्रेष्ठ अवसर प्रदान करने हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।

UT आयुष के आरोग्य मंदिर में मनाया गणतंत्र दिवस

उदयपुरवाटी। कस्बे की तीन नंबर चुंगी पर स्थित आयुर्वेद औषधालय में 77 वां गणतंत्र दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर यहां के चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ.राजेंद्र कुमावत ने झंडा फहराया। इस वार्ड से हर साल एक वरिष्ठ जन को दिया जाने वाला गेस्ट ऑफ ऑनर का सम्मान इस बार लोकतंत्र सेनानी सोनाराम को कुमावत को प्रदान किया गया। इस दौरान प्रजापति धर्मशाला के अध्यक्ष फूलचंद लुहानीवाल,वरिष्ठ जन गोधूराम कुमावत,सुमेर लुहार,राजू हलवाई,सुरेश चायवाला,श्री श्याम मेडिसिन सेंटर के रविकुमार माली,विजय कुमार शर्मा (कंपाउडर),योग प्रशिक्षक विकास कुमावत,रहीम तेली, अजीत सैनी गुढा,सुमन सैनी नर्स,बजरंग लाल,नाथूराम,राजू पलदार,रोहतास कुमार कुमावत, मुकेश कुमार सहित कई माताएं बहिनें भी उपस्थित रही। लड्डू वितरण यहां के पार्षद शिशुपाल सैनी द्वारा करवाया गया।

गणतंत्र दिवस सम्मान पूर्वक मनाया गया

चिराना। चिराना कस्बे के निकटवर्ती चिरानिया शिक्षण संस्थान माध्यमिक विद्यालय बागोरिया की ढाणी में 77 वा गणतंत्र दिवस पर सरपंच राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र कुमावत व भामाशाह राजकिशोर सैनी अन्य गांव के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा व्यायाम प्रदर्शन व सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, कार्यक्रमों में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया । सत्र 2025-26 में जिलास्तरीय खो-खो खेल प्रतियोगिता में ग्यारह वर्ष व 14 वर्ष में जिला में प्रथम रहने पर विद्यालय में उनको प्रयास सैनी कोच व विद्यालय प्रबंधक नेमीचन्द सैनी ने पुरस्कार प्रदान किया। शतरंज में आरुषि जांगिड. को राज्य स्तर पर प्रथम रहने पर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुनिता सैनी ने सभी का आभार प्रकट किया। संस्था निदेशक ओम प्रकाश सैनी ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम में उपस्थित सुरेश कुमार, महेश कुमार, महेश कुमार औलखा, सुरजमान सिगोदिया, विजय सिंह अध्यापक गण एवं श्रीमती सुलोचना, सुनिता ,सरोज सैनी, मंजू सैनी सुश्री सुमन बेरवाल, संजू, ऐश्वर्या आशा, निष्ठा, सरिता, ममता, अध्यापिकाएँ उपस्थित थे ।

एकम्स ने हरिद्वार के 2 प्लांट्स के लिए हासिल किया एव GMP सर्टिफिकेशन

मुंबई/नई दिल्ली। भारत के लीडिंग कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन (CDMO) एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण रेगुलेटरी उपलब्धि हासिल की है। दरअसल कंपनी के हरिद्वार के सिडकुल में स्थित इसके प्लांट 1 फैसिलिटी के लिए यूरोपियन यूनियन गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (एव GMP) सर्टिफिकेशन का रिन्यूअल हो गया है और प्लांट 2 फैसिलिटी के लिए एव GMP सर्टिफिकेशन मिल गया है। ये सर्टिफिकेशन यूरोपियन मेडिसिन एजेंसी (EMA) द्वारा हाल ही में किए गए जांच के बाद दिए गए हैं। एव-GMP ऑडिट में एकम्स के मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशंस, क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम, डॉक्यूमेंटेशन प्रैक्टिस और दोनों फैसिलिटी में एव GMP गाइडलाइंस के पालन हो रहा है कि नहीं, आदि चीजों का पूरी तरह से जांच की गई। संतोषजनक जांच के नतीजों के आधार पर ड्रग एजेंसी ने प्लांट 1 के लिए एव GMP अप्रूवल को रिन्यू किया और प्लांट 2 के लिए नया सर्टिफिकेशन दिया। अब दोनों फैसिलिटी एव GMP नियमों के तहत काम कर रही हैं, इसलिए एकम्स यूरोप और दूसरे हाईली रेगुलेटेड क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में है। कंपनी हाई-क्वालिटी ओरल फॉर्मूलेशन के बड़े पोर्टफोलियो के साथ ग्राहकों को सपोर्ट कर रहा है।

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टरसंदीप जैन ने कहा, यह उपलब्धि सिर्फ रेगुलेटरी अप्रूवल नहीं है बल्कि यह क्वालिटी सिस्टम, इंफ्रास्ट्रक्चर और कार्यबल में सालों के केंद्रित निवेश की सफलता को दर्शाती है। प्लांट 1 के लिए एव GMP सर्टिफिकेशन का रिन्यूअल और प्लांट 2 के लिए नया सर्टिफिकेशन मिलना हमें भरोसे के साथ रेगुलेटेड मार्केट में सर्विस देने की हमारी क्षमता को मजबूत करता है।

एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संजीव जैन ने बताया, एव GMP दुनिया के सबसे सख्त मैन्युफैक्चरिंग स्टैंडर्ड्स में से एक है। एक साथ दो फैसिलिटीज में सर्टिफिकेशन हासिल करना हमारी कंप्लायंस और ऑपरेशनल क्षमताओं की परिपक्वता को दिखाता है। इससे हमारे पार्टनर ओरल सॉलिड और ओरल लिक्विड दोनों तरह की डोजेज फॉर्म में लगातार क्वालिटी के लिए एकम्स पर भरोसा कर सकते हैं। इसके साथ ही इस उपलब्धि से यूरोप और दूसरे रेगुलेटेड मार्केट में हमारी पहुंच भी बढ़ती है। हमारा फोकस एक ऐसा विश्व स्तर पर सम्मानित मैन्युफैक्चरिंग प्लेटफॉर्म बनाने पर है जो दुनिया भर में सुरक्षित, असरदार और किफायती दवाएं डिलीवर करे।

माघ मेला में बिना बताए घर से निकले बुजुर्ग की मौत

प्रयागराज। कई दिन पूर्व बिना बताए घर से निकले 75 वर्षीय सुरेंद्र प्रताप पांडेय की मौत हो गई है। घटना की जानकारी पाकर पहुंची पुलिस ने अस्पताल कर्मियों से पूछताछ की। इसके बाद परिवार वालों को सूचना दी गई। मौत का कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है। बताया गया है कि मंगलवार दोपहर गोंडा के नवाबगंज थाना क्षेत्र के नकवा गांव निवासी 75 वर्षीय सुरेंद्र प्रताप की कल्पवासी क्षेत्र में अचानक तबीयत खराब हो गई। किसी ने उन्हें मेला क्षेत्र में बनाए गए गंगा अस्पताल में पहुंचाया। वहां उन्होंने अपना नाम और पता बताया। इसके बाद इलाज के दौरान शाम को मौत हो गई। इसका पता चलने पर झूंसी थाने के दारोगा हरिशंकर अस्पताल पहुंचे। कर्मचारियों से जानकारी लेने के बाद सुरेंद्र के बेटे अभय से बात की। फोटो देखकर अभय ने शव की पहचान अपने पिता के रूप में की। बताया कि उनके पिता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह कई दिन पहले बिना बताए घर से निकल गए थे।

गणतंत्र दिवस पर संजय सिंह ने हिंदी बाल विद्या मंदिर में किया ध्वजारोहण

मुंबई। उत्तर भारतीय संघ के उपाध्यक्ष तथा युवा समाजसेवी संजय सिंह ने गणतंत्र दिवस पर संघ द्वारा संचालित हिंदी बाल विद्या मंदिर ,असल्फा घाटकोपर के प्रांगण में ध्वजारोहण किया तथा ध्वज को सलामी दी। विद्यालय द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में बच्चों ने देशभक्ति पर आधारित अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संजय सिंह ने सभी विजेता बच्चों को पुरस्कृत करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। समारोह में उपस्थित लोगों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है, जहां अनेक धर्मों और भाषाओं के लोग मिलजुल रहते हैं। अनेकता में एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को संविधान का पालन करते हुए देश के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। संजय सिंह ने उत्तर भारतीय संघ के संस्थापक स्वर्गीय बांकेराम तिवारी तथा संघ को ऐतिहासिक ऊंचाइयों पर ले जाने वाले बाबू आरएन सिंह की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में प्रभारी विनोद मिश्रा, माध्यमिक विद्यालय की मुख्याध्यापिका प्रिया संजू सिंह, प्राथमिक विद्यालय की मुख्याध्यापिका निर्मला पाल, उप मुख्याध्यापक रमेश कुमार मिश्रा, पर्यवेक्षक महेंद्र प्रताप सिंह आदि का समावेश रहा।

उत्तर क्षेत्रीय संस्था रजि. बोईसर ने धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ

पालघर(उत्तरशक्ति)। बोईसर शहर के प. तारापुर रोड स्थित इंद्रप्रस्थ ऑटो सर्विस पेट्रोल पंप के प्रांगण में उत्तर क्षेत्रीय संस्था रजि. ने सोमवार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तारापुर पुलिस स्टेशन के प्रभारी सहायक पुलिस निरीक्षक निवास सदाशिव कणसे ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य जनों के साथ उन्होंने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया और भारत माता की जय तथा वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ देश के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। इस अवसर पर कणसे ने एकता, अखंडता व देशप्रेम का संदेश देते हुए सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दीं। उत्तर क्षेत्रीय संस्था के अध्यक्ष अरविंद सिंह क्षत्रिय ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, पुलिस कर्मियों, सहपाठियों व मीडियाकर्मियों का आतिथ्य सत्कार कर सभी जनों का मुँह मीठा कराया। इस दौरान संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी शोभनाथ त्रिपाठी, हनुमान सिंह, सज्जन (लालाजी) गुप्ता, बृजेश चंद्र पाण्डेय, अमर सिंह, घनश्याम सिंह, एस.एस. तिवारी, बी.एन. सिंह, रामनरेश यादव समेत बड़ी संख्या में राष्ट्रप्रेमी जन उपस्थित रहे।

'ह्युंदाई ट्रॉफी कनेक्ट' की घोषणा

मुंबई। जैसे-जैसे क्रिकेट प्रेमी 2026 आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप की तैयारियों में जुटे हैं, ह्युंदाई मोटर इंडिया लिमिटेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ ह्युंदाई मोटर कंपनी की बहु-वर्षीय प्रीमियर पार्टनरशिप के तहत आज ह्युंदाई ट्रॉफी कनेक्टह्ल नामक एक विशेष पहल की घोषणा की है। इस पहल के अंतर्गत 2026 आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप ट्रॉफी को 28 जनवरी से 1 फरवरी 2026 के दौरान भारत के तीन प्रमुख शहरों–मुंबई, बेंगलुरु और गुरुग्राम–में प्रदर्शित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित 2026 आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप ट्रॉफी क्रिकेट प्रेमियों और आगंतुकों को इसे बेहद करीब से देखने तथा यादगार तस्वीरें लेने का एक अनोखा अवसर प्रदान करेगी।

मुंबई में यह ट्रॉफी 28 और 29 जनवरी 2026 को हाई स्ट्रीट फीनिक्स, बेंगलुरु में 30 जनवरी 2026 को फीनिक्स मॉल ऑफ एशिया, तथा गुरुग्राम में 1 फरवरी 2026 को डीएलएफ साइबरहब में प्रदर्शित होगी। इन स्थानों पर बनाए गए विशेष एंगेजमेंट जोन में प्रशंसक क्रिकेट के प्रति अपने जुनून और प्रेम को व्यक्त कर सकेंगे और आगामी आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप मैचों के टिकट जीतने का अवसर भी प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही, क्रिकेट थीम पर आधारित तल्लीन करने वाले (इमर्सिव) अनुभव, अनोखे डिस्प्ले और विभिन्न सहभागिता गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, जो प्रशंसकों के लिए एक यादगार और उत्साहपूर्ण अनुभव सुनिश्चित करेंगी। इस अनुभव को और भी खास बनाते हुए, देश की सबसे पसंदीदा एसयूवी ह्युंदाई क्रेटा को भी प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे प्रशंसकों और आगंतुकों को क्रिकेट के उत्सव के साथ-साथ ह्युंदाई की उन्नत एसयूवी तकनीक को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। ह्युंदाई ट्रॉफी कनेक्ट पर अपने विचार साझा करते हुए, ह्युंदाई मोटर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग प्रमुख श्री विराट खुल्लर ने कहा, ह्लभारत में क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक साझा भावना है जो करोड़ों लोगों को एकजुट करती है। ड्रिवन बाई पैशन की भावना से प्रेरित होकर, आईसीसी के साथ ह्युंदाई की साझेदारी और मुंबई, बेंगलुरु व गुरुग्राम में 2026 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप ट्रॉफी का यह विशेष प्रदर्शन प्रशंसकों को उनके पसंदीदा खेल के और करीब लाने के लिए तैयार किया गया है। इन प्रशंसक-केंद्रित पहलों के माध्यम से, हम ऐसे सार्थक अनुभव रचने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं, जो क्रिकेट द्वारा विश्वभर में जगाए जाने वाले जुनून, गर्व और एकता को दर्शाते हैं।

कांदिवली में आदित्य आई क्लिनिक की नई शाखा का भव्य उद्घाटन

मुंबई। गुणवत्तापूर्ण, करुणामय और समर्पित नेत्रसेवा की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले आदित्य आई क्लिनिक की नई शाखा का भव्य उद्घाटन कांदिवली (पश्चिम) में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस नई शाखा का उद्घाटन विधायक योगेश सागर के करकमलों द्वारा किया गया। उन्होंने उन्नत तकनीक के माध्यम से आम जनता को सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली नेत्रसेवा उपलब्ध कराने की इस पहल की सराहना की। आदित्य आई क्लिनिक के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. जिगर मनियार ने क्लिनिक की यात्रा पर प्रकाश डाला। वर्ष 2004 में स्थापित इस क्लिनिक ने नेत्ररोग उपचार के क्षेत्र में एक मजबूत पहचान बनाई है। अब तक यहां मोतियाबिंद सर्जरी (विभिन्न लेंस प्रत्यारोपण सहित), भेंगापन सर्जरी, रिफ्रैक्टिव प्रक्रियाएं सहित 50 हजार से अधिक सफल नेत्र शल्यक्रियाएं की जा चुकी हैं और देश-विदेश से आए 2 लाख से अधिक मरीजों को सेवाएं दी गई हैं। महाराष्ट्र के दूर-दराज के क्षेत्रों के जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए भी क्लिनिक द्वारा अनेक सामाजिक पहल की गई हैं। डॉ. जिगर मनियार ने 100 वर्ष की आयु के सबसे बुजुर्ग मरीज की लेजर मोतियाबिंद सर्जरी कर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में स्थान प्राप्त किया है।

गणेश नाईक का शिंदे पर तीखा तंज, बोले–छूट मिली तो शिवसेना प्रमुख का वजूद खत्म कर सकता हूं

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री गणेश नाईक ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर अप्रत्यक्ष लेकिन तीखा हमला बोला है। बिना नाम लिए नाईक ने कहा कि यदि बीजेपी नेतृत्व उन्हें स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति देता है, तो वह शिवसेना प्रमुख के राजनीतिक अस्तित्व को पूरी तरह समाप्त कर सकते हैं।नाईक का यह बयान मुंबई महानगर क्षेत्र–विशेष रूप से नवी मुंबई, ठाणे और कल्याण-डोंबिवली–में राजनीतिक वर्चस्व को लेकर चल रही उनकी और एकनाथ शिंदे के बीच लंबे समय से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता के संदर्भ में अहम माना जा रहा है। यह टिप्पणी हाल ही में हुए नगर निगम चुनावों के नतीजों के बाद सामने आई है। नाईक ने चुनाव परिणामों के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन ह्यमहायुतिह्ल की रणनीति पर भी असंतोष जताया था। सूत्रों के मुताबिक, नाईक स्थानीय स्तर पर सीट बंटवारे और चुनावी प्रबंधन से खुश नहीं थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नाईक का यह बयान महायुति के भीतर बढ़ते अंतर्विरोधों की ओर इशारा करता है, खासकर उन इलाकों में जहां बीजेपी और शिंदे गुट की शिवसेना का सीधा टकराव है।

गणतंत्र दिवस के पर कथा–कथन कार्यक्रम संपन्न

मुंबई। महापंडित राहुल सांकृत्या-यन फाउण्डेकशन, हिंदी प्रचार संस्थाान एवं अखिल ब्रह्म विज्ञान संस्थाीन के संयुक्तर तत्वातधान में दिनांक 26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर आर. के. कॉलेज, बचानी नगर, मालाड में स्वारचित कहानी पाठ का भव्ये कार्यक्रम संपन्नत हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वा लन, मंत्रोच्चारर व सरस्वेती वंदना से किया गया। कार्यक्रम की अध्य्क्षता साहित्यकार डॉ. शशिकला पटेल ने की और मुख्यो अतिथि के रुप में उत्तेर भारतीय संघ के महामंत्री देवेन्द्र तिवारी तथा विशिष्ठर अतिथि के रूप में फिल्मड निर्देशक दिनेश श्रीवास्तुव उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में विभिन्नय क्षेत्रों में उत्कृ ष्टप कार्य करने वाले महान विभूतियों का संस्थाप द्वारा सम्मांन किया गया। जिसमें रचनाकार कृपाशंकर मिश्र, साहित्यलकार डॉ. रामस्व रूप साहू, समाजसेवी डॉ. परमिंदर पाण्डेवय, उद्योग जगत से जुड़े अनिल कुमार मिश्र, लोकमत के वरिष्ठ पत्रकार राकेशमणि त्रिपाठी का 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर वरिष्ठ साहित्यजकार डॉ. श्रीभगवान तिवारी के मार्गदर्शन में संस्था द्वारा शॉल और पुष्पतगुच्छे देकर सम्मा्न किया गया।

इस अवसर पर स्व रचित कहानी पाठ में सबसे पहले कहानी की विषय वस्तु और रूपरेखा पर डॉ. श्रीभगवान तिवारी की कहानी संग्रह की भूमिका पढ़ी गई। जिसमें कहानी से संबंधित सभी रूपों को दशार्या गया है। तत्पनश्चाहत उनकी कहानी बाझिन की प्रस्तुीति डॉ. अमर बहादुर पटेल ने की। ह्यबाझिन कहानी एक मनोविश्ले ष्णात्मनक कहानी है जो समाज को एक संदेश देती है। पूर्व प्रधानाध्याअपक रमेश राय की कहानी गुरुदक्षिणा की सराहना की गई। रामसिंह की माई एक मार्मिक और परंपरागत रीतिरिवाजों को दशार्ती हुई कहानी है। महापंडित राहुल सांकृत्या यन की पौत्रवधु इंदिरा पाण्डेदय ने राहुल सांकृत्यायिन की पत्नी रामदुलारी पर अपने संस्मैरण सुनाया जो काफी मार्मिक व संवेदनशील रहा। प्रोफेसर कुसुम तिवारी की कहानी दुर्भाग्या एक संदेशपरक कहानी थी। डॉ. रामस्व्रूप साहू की कहानी ह्यनववर्ष की बेला में समसामयिक समस्यानओं को उजागर करने में सफल कहानी रही। डॉ. अवनीश सिंह की कहानी विवाह से निकाह महानगर की समस्या्ओं पर आधारित कहानी काफी प्रेरणादायी रही। डॉ. रीना राय की कहानी बुढ़ापा एक भावनात्मकक कहानी थी। कहानीकार सेवासदन प्रसाद ने चेहरे पे चेहरा के माध्यवम से नारी-विमर्श व नारी सशक्तीमकरण को बखूबी दशार्ती हुई कहानी प्रस्तुेत किया। जिसे श्रोताओं ने काफी सराहा। इसके साथ ही अमिताभ बागी, रविप्रकाश, कृपाशंकर मिश्र ने भी इस कार्यक्रम में अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संयोजन आर. के. कॉलेज के एम. डी., आर. के. सर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यय रूप से प्रभाशंकर शुक्ल , विजय तिवारी, डॉ. अशोक कुमार सिंह चौहान, बृजेश पाण्डेदय तथा अन्यक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का सुव्यलवस्थित संचान डॉ. अमर बहादुर पटेल ने किया तथा कार्यक्रम में उपस्थित सम्माअन मूर्तियों एवं अतिथियों का परिचय पंडित रामव्योस उपाध्याय द्वारा किया गया। उपस्थित लोगों ने स्वतरचित कहानी पाठ का ज्ञानवर्धक आनंद लिया।

वसई-विरार मनपा में अशोक शेल्के बने भाजपा लीडर

वसई रोड। वसई-विरार म्युनिसिपल कॉपोरेशन में भारतीय जनता पार्टी ने अशोक शेल्के को अपना ग्रुप लीडर चुना है। यह चयन बिना किसी विरोध के सर्वसम्मति से किया गया। भाजपा के कुल 43 नगरसेवकों की बैठक में अशोक शेल्के के नाम पर मुहर लगी।

हाल ही में हुए म्युनिसिपल चुनाव में भाजपा ने 43 सीटें जीतकर वसई-विरार मनपा में पहली बार एक मजबूत विपक्षी दल के रूप में अपनी पहचान बनाई है। ग्रुप लीडर चुने जाने वाले अशोक शेल्के इससे पहले भाजपा युवा मोर्चा के सेक्रेटरी के तौर पर सक्रिय रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कई आक्रामक आंदोलनों का नेतृत्व किया और नागरिक समस्याओं को लेकर जागरूकता बढ़ाने का काम किया। अशोक शेल्के को एक युवा, मेहनती और जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता है। वार्ड क्रमांक 22 से अशोक शेल्के सहित पूरा भाजपा पैनल विजयी हुआ है।

नालासोपारा में आयोजित नव-निर्वाचित नगरसेवकों की बैठक में भाजपा सांसद हेमंत सावरा, संगठन मंत्री हेमंत म्हात्रे, विधायक राजन नाइक, विधायक स्नेहा दुबे, जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, महासचिव मनोज बारोट, जोगेंद्रसाद चौबे और विजेंद्र कुमार की उपस्थिति रही। इस बैठक में ग्रुप लीडर का चयन सर्वसम्मति से करने का निर्णय लिया गया, जिसके तहत अशोक शेल्के को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। यह जानकारी भाजपा वसई-विरार जिला महासचिव मनोज बारोट ने मीडिया को दी।

पत्रकार नान बाबू चौहान के निवास पर 77वां गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

बलरामपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद बलरामपुर के विकास खंड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम करमहना में 26 जनवरी को 77वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीणों के सहयोग से उत्तर शक्ति के पत्रकार नान बाबू चौहान के निवास पर आयोजित किया गया। समारोह के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा पूरे सम्मान के साथ राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह में देशभक्ति की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पत्रकार नान बाबू चौहान ने कहा कि ह्लमैं उन सभी शहीदों को नमन करता हूँ जिन्होंने तिरंगे की मयार्दा और देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। 26 जनवरी का दिन हर भारतीय के लिए गौरव का प्रतीक है। जब तिरंगा लहराता है, तो हर दिल भारत बन जाता है। तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारी आत्मा का प्रतीक है, जो हर भारतीय के भीतर देशभक्ति की अनुभूति जागृत करता है। इस अवसर पर ग्राम की महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में शकुंतला पाण्डेय, अर्चना चौहान, रामनरेश पांडेय, पूर्व प्रधान राम केवल यादव, प्रेम सागर, मांगू चौहान, सूरज लाल, जोखू, राजकुमार चौहान सहित ग्राम के अनेक गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

माधी गणपती भंडारा में नगरसेवक महेश सरवणकर ने किया प्रसाद वितरण

वसई। वसई के 100 फीट रोड स्थित सत्य सनातनी मित्र मंडळ द्वारा इस वर्ष माधी गणपती का भव्य आयोजन पूरे 5 दिनों तक श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में वसई रोड मंडल के वरिष्ठ चिटणीस दीपक शर्मा ने सत्य सनातनी मित्र मंडळ को विशेष सहयोग प्रदान किया। आयोजन के अंतिम दिन भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर वसई रोड मंडल अध्यक्ष एवं भाजपा नगरसेवक महेश सरवणकर ने गणपति बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा स्वयं भक्तों को भंडारे का प्रसाद वितरित किया। इस कार्यक्रम में भाजपा नेता जितेंद्र वेंगुर्लेकर, माकर्डे पांडे, नितेश भालेराव, नरेंद्र सोनी, कल्पित पल्लू सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी ने गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया और प्रसाद वितरण में सक्रिय रूप से सहयोग किया। भक्तों में इस आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला और सत्य सनातनी मित्र मंडळ के इस धार्मिक एवं सामाजिक उपक्रम की स्थानीय नागरिकों ने सराहना की।

यूपी दिवस पर कलेक्ट्रेट परिसर में भव्य आयोजन संपन्न

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में भव्य, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर लखनऊ से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने उत्साहपूर्वक देखा। कार्यक्रम में जनपद के अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। यूपी दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं विभागीय उपलब्धियों पर आधारित आकर्षक झांकियाँ एवं सूचना-स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों का अवलोकन मुख्य अतिथि पाध्यक्ष अनुसूचित जाति आयोग बेचन राम, विधायक बलरामपुर पल्टूराम, विधायक तुलसीपुर कैलाश नाथ शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री आरती तिवारी तथा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ,डीएम विपिन कुमार जैन, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता द्वारा किया गया। अतिथिगण ने योजनाओं की प्रगति एवं प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना करते हुए विभागीय अधिकारियों को जनसामान्य तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागीय योजनाओं के लाभार्थियों को मंच से सम्मानित किया गया, जिससे लाभार्थियों का मनोबल बढ़ा एवं योजनाओं के प्रति जनविश्वास सुदृढ़ हुआ। इसी क्रम में दिव्यांग सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए दिव्यांगजनों को स्वचालित ट्राइसाइकिल का वितरण किया गया। यूपी दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा नवाचार करते हुए जनपद की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक विशेषताओं पर आधारित जनपद के नए लोगो का अनावरण मुख्य अतिथि एवं विधायकगण द्वारा किया गया। यह लोगो आगामी समय में जनपद के समस्त विभागीय कार्यालयों, पत्राचार एवं प्रचार-प्रसार सामग्री में प्रयोग किया जाएगा, जिससे जनपद की एकरूप पहचान स्थापित होगी। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। रंगारंग प्रस्तुतियों को उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों ने सराहा तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर विकास के मार्ग पर अग्रसर है। आज प्रदेश में सुदृढ़ कानून-व्यवस्था स्थापित हुई है, देश एवं विदेश से उद्यमी निवेश के लिए आगे आ रहे हैं तथा किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यूपी दिवस प्रदेश की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने और विकास के संकल्प को और मजबूत करने का अवसर है। इस दौरान सभी संबंधित अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

कोई भी मतदाता सूची से छूटने न पाए : ललई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज स्थित एक होटल में संगठन और लोकतंत्र की मजबूती को समर्पित एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पूर्व ऊर्जा मंत्री शैलेंद्र यादव ललई ने कहा कि एसआईआर के अंतर्गत हर योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि जनता का एक मत बहुमूल्य होता है इसलिए सभी लोगों का नाम मतदाता सूची में होना चाहिए। आपका एक वोट राष्ट्र के विकास की तकदीर लिखेगा। इस दौरान यह संकल्प लिया गया कि कोई भी मतदाता छूटने न पाए और लोकतांत्रिक अधिकार हर घर तक पहुँचें। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष मिथिलेश यादव, चेयरमैन प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह बंटी, सैय्यद उरूज, त्रिभुवन यादव, सुफियान अहमद, देवमणि यादव, भूपेंद्र यादव, सुरेंद्र यादव, विक्रम बिंद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

केराकत में रेलिंग लगाते समय तीसरी मंजिल गिरा मिस्त्री, हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र के सरायबीरू गांव में सोमवार की शाम नवनिर्मित मकान के तीसरे तल पर रेलिंग लगाने के दौरान असंतुलित होकर नीचे गिरने से दूधनाथ मौर्य 50 वर्ष निवासी नरहन की मौत हो गयी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दूधनाथ मौर्य तीसरी मंजिल पर ड्रम के सहारे खड़े होकर रेलिंग की वेल्डिंग कर रहे थे। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह नीचे आ गिरे। गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक अपने परिवार के एक मात्र कमाने वाले सदस्य थे जिससे स्वजन गहरे सदमे में हैं। मृतक दूधनाथ मौर्य नगर के हनुमान मंदिर के सामने वेल्डिंग की दुकान चलाते थे और इसी कार्य से परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी रम्पा देवी, दो पुत्र दीपक मौर्य व हर्ष मौर्य तथा एक पुत्री रेनू मौर्य है।

किशोर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर कस्बा के बारी रोड पर मंगलवार को प्रातः एक 16 वर्षीय किशोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस को सूचना दिए बगैर उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। घटना का कारण ज्ञात नहीं हो सका है। बारी रोड निवासी विनोद कुमार का पुत्र सुमित उर्फ पांडु घर के ही बगल वाले कमरे में सोता था। सुबह जब नहीं उठा तो परिजन कमरे के शटर को चाड़कर देखा तो छत के कुंडे से उसका शव लटक रहा था। शोर सुनकर भीड़ जुट गई। उसके शव को उतारकर अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस सन्दर्भ में थानाध्यक्ष प्रवीण यादव ने बताया के उनको घटना की कोई जानकारी नही है और न ही कोई तहरीर मिली है।

बाबासाहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के बनाए संविधान की सुरक्षा का संकल्प: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय सदर चुंगी अल्फस्टीनगंज में 77वां गणतंत्र दिवस हर्ष उल्लास पूर्वक मनाया गयापर झंडारोहण प्रातः 09:30 बजे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने किया।तत्पश्चात राष्ट्रगान हफीज शाह ने किया। तत्पश्चात गोष्ठी आयोजित कर ज़िला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने भारत की आजादी का वर्णन करते हुए संविधान की आवश्यकता को बताते हुए बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के बने संविधान की रक्षा एवं जनता के मौलिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया। गोष्ठी की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य एवं संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, वरिष्ठ नेता दीपचंद राम, ज़िला उपाध्यक्ष गण श्यामबहादुर पाल, हीरालाल विश्वकर्मा, महेंद्र प्रताप यादव नेपाल, इरशाद मंसूरी, संजीव साहू, गुलाब यादव रीठी, श्रवण जायसवाल, दीपक जायसवाल, ऊषा जायसवाल, डॉ.शबनम नाज, शकील मंसूरी, रमेशचंद फौजी, दिनेश यादव फौजी, फिरोज पप्पू, शकील मंसूरी, आनंद गुप्ता, दिलीप प्रजापति, पूनम यादव, शिवांगी यादव, सुशीला यादव, सोनी सेठ, सोनी यादव, दीपक विश्वकर्मा, प्रदीप पाल, वीरेंद्र यादव, हाजी अजमत, धीरज बिंद, रविन्द्र मौर्य, सेराज दरोगा, धर्मेंद्र सोनकर, अब्दुल मालिक, अमजद अंसारी, राजा नवाब, अंसार इदरीसी, शाहनवाज सभासद, अशफाक मंसूरी, आलोक कुमार यादव, जुबैर अंसारी सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे। राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर मिष्ठान वितरण किया गया।

वसई रोड पश्चिम में विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने किए माघी गणपति के दर्शन

वसई रोड। वसई रोड पश्चिम के जयराजनगर स्थित एड आयुषी बागड़िया के निवास पर माघी गणपति बप्पा के दर्शन हेतु वसई की विधायक आमदार स्नेहा दुबे पंडित ने सदिच्छा भेंट दी। इस अवसर पर उनके साथ निकिता बागड़िया एवं हेमंत बागड़िया भी उपस्थित रहे। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने गणपति बप्पा के चरणों में नतमस्तक होकर प्रदेश व क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। दर्शन के उपरांत उन्होंने प्रसाद भी ग्रहण किया। इस दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और परिवारजनों द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। अगर चाहें तो मैं इसे और औपचारिक, और छोटा, या लोकल न्यूज पोर्टल स्टाइल में भी ढाल सकता हूँ।

बरसठी में युवक पर लाठी-डंडों से हमला, चार अज्ञात के खिलाफ तहरीर

-दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के पट्टपुर गांव में शनिवार की शाम एक युवक पर चार अज्ञात लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पट्टपुर गांव निवासी सोनू सोनकर पुत्र सुभाष सोनकर शनिवार को दिनांक 25 जनवरी 2026 को शाम करीब 5:30 बजे अपने घर पर बैठे थे। तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार अज्ञात युवक मौके पर पहुंचे। आरोप है कि हमलावरों ने पहले गाली-गलौज की और फिर लाठी-डंडों से सोनू सोनकर की पिटाई कर दी। मारपीट में पीड़ित को शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। आरोप है कि जाते-जाते हमलावरों ने युवक को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने बरसठी थाने पहुंचकर मोटरसाइकिल संख्या वढ 65 AN 7173 और वढ 62 AF 3213 का उल्लेख करते हुए अज्ञात हमलावरों के खिलाफ तहरीर दी है। पीड़ित ने पुलिस से दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है, जल्द ही आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रासायनिक मुक्त खेती स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र द्वारा शासकीय आवास पर ऑर्गेनिक विधि से उगाई गई मटर एवं बैंगन के साथ ही पनीर बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल को उपलब्ध कराया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि उक्त पोषक खाद्य सामग्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के भोजन में सम्मिलित की जाए, जिससे बच्चों का स्वास्थ्य सुदृढ़ बना रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने ऑर्गेनिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रासायनिक मुक्त खेती स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन पर फहराया गया तिरंगा झंडा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। देश के सतहत्तरवें गणतंत्र दिवस के मौके पर जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन पर जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर पार्टी कार्यकताओं ने गणतंत्र दिवस का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। गणतंत्र दिवस समारोह को सम्बोधित करते कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान निर्मात्री सभा ने विश्व का सबसे महत्वपूर्ण संविधान का निर्माण किया जिसमें देश के हर नागरिकों के लिए समानता, समता, एकता और अखंडता के साथ विश्व का सबसे मजबूत लोकतंत्र की स्थापना संभव हुई। डा प्रमोद कुमार सिंह ने आगे कहा कि भारत के हर व्यक्ति का परम कर्तव्य है संविधान को मजबूती के साथ बचायें रखना, साथ ही राष्ट्र पिता महात्मा गांधी जी, पं.जवाहर लाल नेहरू, डा.भीमराव अंबेडकर सहित भारत के महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलकर भारत को मजबूत बनाते रखना हर देशवासियों की जिम्मेदारी है।इस मौके पर शहर अध्यक्ष आरिफ खान, प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, राकेश सिंह डब्बू, अनिल सोनकर, विनय तिवारी, शेर बहादुर सिंह, डॉ दिवाकर मौर्य, सभासद सहनवाज मंजूर, शेखू, उस्मान अली, आरिफ सलमानी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जौनपुर: इंडक्शन चूल्हे में उतरे करंट से छात्रा की मौत, विद्यालय में शोक की लहर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर नगर क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में इंडक्शन चूल्हे पर खाना बनाते समय करंट की चपेट में आने से कक्षा 9 की छात्रा की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं विद्यालय में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार नगर के फौजदार इंटर कॉलेज में कक्षा 9 की छात्रा खुशबू पटेल (निवासी अहमदपुर) सोमवार की रात अपने घर पर इंडक्शन चूल्हे पर खाना बना रही थी। इसी दौरान अचानक चूल्हे में करंट आ गया और वह उसकी चपेट में आ गई। परिजन जब तक कुछ समझ पाते, तब तक खुशबू की हालत गंभीर हो चुकी थी, आनन-फानन में उपचार का प्रयास किया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।मंगलवार को जब इस हृदय विदारक घटना की जानकारी विद्यालय पहुंची तो शोकसभा का आयोजन किया गया। विद्यालय परिवार ने दिवंगत छात्रा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा और ईश्वर से उसकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की। शोकसभा के उपरांत विद्यालय को बंद कर दिया गया। इस घटना से क्षेत्र में शोक और संवेदना का माहौल है। स्थानीय लोगों ने विद्युत उपकरणों के प्रयोग में सतर्कता बरतने की अपील की है, ताकि इस तरह की दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

यूजीसी को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू, काशी में छात्रों और विभिन्न संगठनों ने दी चेतावनी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों के खिलाफ छात्रों और विभिन्न संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। सवर्ण समाज के युवाओं ने इसके खिलाफ एक बड़ा मार्च निकाला है। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि यूजीसी के नए नियम भेदभावपूर्ण हैं। सामान्य वर्ग के छात्रों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज होने का खतरा बढ़ जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि केंद्र सरकार यूजीसी के प्रावधान को वापस नहीं लेती है या इनमें संशोधन नहीं करती है तो यह आंदोलन दिल्ली तक जाएगा।